सूर्योदय - 06:26
सूर्यास्त - 05 : 44

अधिकतम तापमान 32.0°
न्यूनतम तापमान 19.0°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ओपन सर्च

RNI No.DELHIN/2015/66886

खबरें और विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

Mob. : 9210092542
opensearchnews@gmail.com

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 12 अंक : 340 नई दिल्ली, शनिवार 14 नवम्बर-2026
नई दिल्ली, हरियाणा, बिहार से प्रकाशित
` मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

कर्नाटक को 15,600 करोड़ की सौगात

मोदी ने बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन, बेंगलुरु-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु.एजेंसी



- **कुछ दिन पहले कर्नाटका को राज्य की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिली थी और आज कर्नाटका को गोवा से जोड़ने वाली वंदे भारत ट्रेन मिली है : प्रधानमंत्री**
- **आज भारत चिप से लेकर शिप तक, एआई, डेटा सेंटर से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग तक नई टेक्नोलॉजी में नेतृत्व का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है : प्रधानमंत्री**
- **किसी भी राष्ट्र की विकास यात्रा में बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण भूमिका होती है; बेहतर कनेक्टिविटी तरक्की, रोजगार और उद्योग नई संभावनाएं बनाते हैं: प्रधानमंत्री**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक के बेंगलुरु में 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया, उनकी आधारशिला रखी और उनकी शुरूआत की। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कन्नड़ भाषा में लोगों का अभिवादन किया और शहर की अधिष्ठात्री देवी अन्नम्मा ताई तथा नाडप्रभु केम्पेगौड़ा को नमन किया।

उन्होंने कहा कि आज का दिन कनेक्टिविटी और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाओं के माध्यम से बेंगलुरु और कर्नाटक की विकास यात्रा को नई गति देने का दिन है। मोदी ने कहा, मेट्रो और रेल से जुड़ी परियोजनाओं से लेकर ऊर्जा सुरक्षा के कार्यों तक, ये सभी परियोजनाएं कर्नाटक के बुनियादी ढांचे को नई मजबूती प्रदान करेंगी। इस बात पर जोर देते हुए कि बुनियादी ढांचा और बेहतर कनेक्टिविटी प्रगति, रोजगार तथा उद्योग के नए अवसर सृजित करते हैं, जो समाज के हर वर्ग तक पहुंचते हैं और गरीबी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत बनाते हैं, प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में लगभग 50 करोड़ नागरिकों का अत्यधिक गरीबी से बाहर आना इसी का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने कहा, ये परियोजनाएं विकसित कर्नाटक के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण को नई गति देंगी और साथ ही टेक सिटी के रूप में बेंगलुरु की पहचान को और मजबूत करेंगी।

कुछ ही समय पहले बेंगलुरु मेट्रो की नई पिंक लाइन को समर्पित किए जाने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कॉरिडोर से आईआईएम बेंगलुरु, शहर के अनेक शैक्षणिक संस्थानों तथा प्रमुख व्यावसायिक, प्रौद्योगिकी और वाणिज्यिक केन्द्रों तक कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा। मोदी ने कहा, बेंगलुरु के लाखों लोगों को न केवल आवागमन में सुविधा मिलेगी, बल्कि वे अपने पैसे और समय की भी बचत कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री ने क्षेत्र के साथ गहरा जुड़ाव रखने वाले दिवंगत अनंत कुमार की पुण्यतिथि का उल्लेख करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, आज इस मेट्रो लाइन को देखकर उनकी आत्मा को भी निश्चित रूप से प्रसन्नता हुई होगी। बेंगलुरु को भारत की सिलिकॉन वैली बताते हुए जो देश के कुल आईटी निर्यात में एक-तिहाई से अधिक योगदान देती है और नवाचार तथा आर्थिक विकास का एक प्रमुख केन्द्र है, प्रधानमंत्री ने कहा कहा कि केन्द्र सरकार ने बेंगलुरु क्षेत्र के तीव्र विकास को प्राथमिकता दी है और नम्मा मेट्रो का विस्तार वर्ष 2014 में मात्र 17 किलोमीटर से बढ़ाकर आज 100 किलोमीटर से अधिक कर दिया है।

भारत का स्पेस मिशन मानवता के कल्याण के लिए समर्पित : मोदी

मैसूरु। प्रधानमंत्री मोदी ने कर्नाटक के मैसूरु में बने कॉसमॉस प्लेनेटेरियम का उद्घाटन किया और यहां मौजूद लोगों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ महीन पहले ही मैं विवेका स्मारक के उद्घाटन के लिए यहां आया था और अब कॉसमॉस प्लेनेटेरियम के उद्घाटन के लिए आप सभी के बीच में हूं। ये दोनों ही अवसर, भारत के संस्कार और हमारी संस्कृति के बारे में गहरा संदेश देते हैं। विवेका स्मारक हमें अपने भीतर झांकने और आध्यात्मिक ज्ञान की खोज करने की प्रेरणा देता है।

वहीं कॉसमॉस में हमारी नजरें आकाश की तरफ बढ़ती हैं और इसके ब्रह्माण्ड के रहस्यों को समझने के लिए प्रेरित करती हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में अध्यात्म और विज्ञान की परंपराएं हमेशा साथ-साथ आगे बढ़ी हैं। हमारे पूर्वज आकाश का बहुत बारीकी से अध्ययन किया करते थे। उन्होंने तारों और ग्रहों की गति को समझा, उन्होंने कैलेंडर बनाए। सूर्य और चंद्र ग्रहण की गणना की। भारत में आर्यभट, वराहमिहिर, भास्कराचार्य और नीलकंठ सोमयाजी जैसे अनेक



महान एस्ट्रोनॉमर हुए। आज जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी और इंस्ट्रूमेंट्स उस समय नहीं थे, इसके बावजूद उन्होंने बड़ी-बड़ी खोजें कीं, मुश्किल से मुश्किल कैलकुलेशन किए। उन्होंने कहा कि मैसूरु में ऐसी संस्थाओं के निर्माण की परम्परा रही है। महाराजा नारुडी कृष्णा वाडियार के समय ही मैसूरु यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई थी। उनके परिवार ने बेंगलुरु में आईआईटी की नीव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन संस्थानों ने कई पीढ़ी के छात्रों और शोधकर्ताओं को आगे बढ़ने के अवसर दिए हैं। आज, जब भारत विज्ञान के क्षेत्र में एक के बाद एक मील के पत्थर हासिल कर रहा है, तो मैसूरु अपने अत्याधुनिक 'कॉसमॉस तारामंडल' के जरिए भारत की वैज्ञानिक यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ रहा है।

असम के काजीरंगा में ट्रक और ट्रैवलर की टक्कर, 23 लोगों की मौत

गुवाहाटी.एजेंसी



असम के काजीरंगा के पास रोंगाजन से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आ रही है। ट्रक और ट्रैवलर के बीच हुई टक्कर में 23 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तेज रफ्तार ट्रैवलर के अनियंत्रित होने से यह हादसा हुआ। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्ननील डेका ने बताया, 'हमें शुरुआती रिपोर्ट मिली है कि इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हुई है।

हम सभी मौके पर मौजूद हैं और बस से शव निकाले जा रहे हैं, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।' घायलों को इलाज के लिए कोहोरा मॉडल अस्पताल ले जाया गया है। इनमें से कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। गोलाघाट जिले के जिला आयुक्त बिस्वजीत फुकन ने बताया कि असम के गोलाघाट जिले में काजीरंगा के पास रोंगाजान इलाके में हुए एक हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया है। अभी और जानकारी का इंतजार है। दरअसल, शुक्रवार दोपहर काजीरंगा के पास एक नेशनल हाईवे पर लगभग 40 यात्रियों को ले जा रही एक ट्रैवलर की एक ट्रेलर ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। ट्रैवलर ऊपरी असम के जोरहाट से गुवाहाटी की ओर जा रही थी। यह हादसा नेशनल हाईवे 715 पर कोहोरा रेंज में हाथीकुली टी एस्टेट के पास रंगाजन में हुआ। सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस स्वप्ननील डेका ने कहा, 'अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है।

वहीं, डीसी बिस्वजीत फुकन ने बताया, 'बाकी सात लोगों को जोरहाट भेजा गया है, लेकिन अभी उनकी स्थिति के बारे में पक्की जानकारी नहीं मिल पाई है। घायलों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। इनमें बच्चे भी शामिल हैं। हमारे पास अभी महिलाओं और पुरुषों की सटीक संख्या नहीं है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जताया दुख

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने घटना पर दुख जताते हुए कहा, 'आज काजीरंगा में हुई दुखद दुर्घटना से मुझे गहरा आघात लगा है। इस नुकसान ने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है, और जिन परिवारों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कोई भी शब्द उनके दर्द को कम नहीं कर सकता, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि वे अकेले नहीं हैं।

यह न सोचें कि अगला चुनाव कैसे जीतें, सोचें कि अगली पीढ़ी का भविष्य कैसे बेहतर हो : राजनाथ सिंह



नई दिल्ली.एजेंसी

हमारे लिए विकसित भारत का अर्थ केवल पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था नहीं है। वह इसका एक महत्वपूर्ण घटक अवश्य है, लेकिन विकसित भारत का हमारा सपना इससे कहीं व्यापक है। यह बात शुक्रवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कही। राजनाथ सिंह ने कहा, 'हम अपने निर्णयों में केवल यह न देखें कि इससे हमें कितना राजनीतिक लाभ मिलेगा बल्कि यह भी देखें कि इससे समाज को कितना लाभ होगा। हम यह न सोचें कि अगला चुनाव कैसे जीता जाएगा बल्कि यह सोचें कि अगली पीढ़ी का भविष्य कैसे बेहतर बनाया जाएगा। राज-काज को नीति और नैतिकता के माध्यम से संचालित करना ही राजनीति का वास्तविक भाव है। राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य को दिशा देने का माध्यम है।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को ब्रह्माकुमारीज की स्थापना के 90 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारे लिए विकसित भारत का अर्थ है, ऐसा भारत जहां नागरिक ईमानदार हों, परिवारों में संस्कार हों, समाज में सद्भाव हो, महिलाओं का सम्मान हो, युवाओं में अनुशासन हो और हर व्यक्ति के मन में राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का भाव हो। यहां उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक विकास केवल व्यक्तिगत मुक्ति का मार्ग नहीं है। यह राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण का मार्ग भी है।

उपराष्ट्रपति ने विशाखापट्टनम में 31वें सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया

विशाखापट्टनम.एजेंसी

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में आयोजित सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन के 31वें संस्करण के समापन सत्र को संबोधित किया। उपराष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश द्वारा हासिल की गई उल्लेखनीय विकास उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जून 2024 से अब तक राज्य ने 22 लाख करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 714 निवेश परियोजनाओं को आकर्षित किया है, जो निवेशकों के मजबूत विश्वास और आर्थिक गतिविधियों में तेजी को दर्शाता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि राज्य का 'स्वर्ण आंध्र 2047' का विजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुरूप है। हरित ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम प्रौद्योगिकी,



उपराष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश द्वारा हासिल की गई उल्लेखनीय विकास उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जून 2024 से अब तक राज्य ने 22 लाख करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 714 निवेश परियोजनाओं को आकर्षित किया है, जो निवेशकों के मजबूत विश्वास और आर्थिक गतिविधियों में तेजी को दर्शाता है

बंदरगाहों, एयरोस्पेस और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में निवेश आंध्र प्रदेश को एक उभरते औद्योगिक एवं नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं। इस वर्ष के शिखर सम्मेलन के विषय 'नई वैश्विक व्यवस्था में मार्ग प्रशस्त करना- व्यापार, प्रौद्योगिकी और विश्वास' का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं, प्रौद्योगिकीगत बदलाव, जलवायु परिवर्तन और बदलती आपूर्ति श्रृंखलाएं वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया स्वरूप दे रही हैं। हालांकि, अनिश्चितता का प्रत्येक दौर नए अवसर भी प्रस्तुत करता है। अनुकूलनक्षमता, नवाचार और विश्वसनीय साझेदारियों का प्रदर्शन करने वाले देश भविष्य को आकार देने की दृष्टि से सबसे बेहतर स्थिति में होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में दृढता से आगे बढ़ रहा है।

भारत की बढ़ती आर्थिक शक्ति, युवा एवं कुशल कार्यबल, जीवंत उद्यमशीलता तंत्र तथा विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों के विस्तार पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आकांक्षा केवल उभरती वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में भागीदारी करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे आकार देने में अग्रणी भूमिका निभाने की है।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कृत्रिम बुद्धिमतता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी, उन्नत विनिर्माण और डिजिटल प्लेटफॉर्म की परिवर्तनकारी क्षमता को रेखांकित किया है।

राहुल गांधी के फोन टैपिंग के आरोप को भाजपा ने बताया बेबुनियाद, कांग्रेस ने बताया शर्मनाक

नई दिल्ली.एजेंसी



लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फोन टैपिंग कराने के आरोप को लेकर सत्ता और विपक्ष के नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। भाजपा जहां राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद और साक्ष्यहीन बता रही है, वहीं कांग्रेस इसे लोकतंत्र के लिए शर्मनाक बता रही है। केंद्रीय राज्य मंत्री बनवारी लाल वर्मा ने बात करते हुए राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी जिस तरह के आरोप आज लगा रहे हैं, वह ऐसे आरोप पहले भी लगाते रहे हैं। उनके पास कोई साक्ष्य नहीं होता है। उनके सारे आरोपों की हवा निकल जाती है। सदन चलता है तो उनमें डिबेट करने की हिम्मत नहीं पड़ती है। कहने और करने में बहुत अंतर होता है। जब तक राहुल गांधी के पास कोई साक्ष्य नहीं हो, तब तक उन्हें ऐसे खोखले आरोप नहीं लगाने चाहिए। देश की जनता सब देखती है और समय आने पर जवाब भी देती है।' बनवारी लाल वर्मा ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा, मैं सरकार और पीएम मोदी का आभारी हूं कि करोड़ों लोग गरीबी के दलदल से वापस आए हैं।

मैं स्वयं किसान का बेटा हूं और अच्छी तरह से जानता हूं कि किसानों की स्थिति पहले कैसी होती थी। आज किसान कितना संपन्न है और कितनी मजबूत स्थिति के साथ काम कर रहा है। ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन पर उन्होंने कहा, सभी का स्वागत है।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में छत्तीसगढ़ निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका : सीएम



ओपन सर्च. संवाददाता

- **कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपए की दर से मिलेगी आदान सहायता राशि : मुख्यमंत्री**
- **मुख्यमंत्री साय ने मुंगेली जिले को दी 465 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात**

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुंगेली जिले के ग्राम कंतेली में आयोजित भव्य कार्यक्रम में जिलेवासियों को 465 करोड़ 40 लाख रुपए से अधिक की लागत के 77 विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने इनमें 68 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से पूर्ण हुए 24 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 397 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 53 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। इन कार्यों से जिले में सड़क, सिंचाई, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों की खुशहाली, किसानों की समृद्धि और प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना राज्य सरकार का प्रमुख संकल्प है। विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब वहां के गांव मजबूत हों, किसानों को बेहतर संसाधन मिलें, युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ें तथा आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं सहजता से उपलब्ध हों। मुंगेली जिले में आज जिन विकास कार्यों की सौगात दी गई है, वे इसी सोच को धरातल पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंगेली जिले में अधोसंरचना विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लोगों से किए झूठे वादे, जनता को मिला नशा और बेरोजगारी : नायब सैनी

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा हरियाणा ने 60 वर्षों में बनाई देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान

कदम सिंह/ओपन सर्च ब्यूरो



चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि 1 नवंबर 1966 को हरियाणा पंजाब से अलग होकर एक नए राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था। उस समय अनेक लोगों के मन में यह चिंता थी कि सीमित संसाधनों के साथ हरियाणा किस प्रकार अपनी पहचान बना पाएगा, लेकिन आज 60 वर्षों के सफर में हरियाणा ने देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

हरियाणा ने अपनी हीरक जयंती के अवसर पर विकास, समृद्धि और जनकल्याण के नए संकल्प लिए हैं। हाल ही में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने भी हीरक जयंती समारोह में भाग लेकर प्रदेश की गौरवशाली यात्रा को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री शुक्रवार को पंजाब, होशियारपुर के दसूहा में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले हर दसवें जवान का संबंध हरियाणा से है।

खेलों के क्षेत्र में भी हरियाणा के खिलाड़ियों ने ओलंपिक, पैरालंपिक और एशियन गेम्स सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का नाम रोशन किया है। देश को पदक दिलाने में हरियाणा के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उद्योग और निवेश के क्षेत्र में भी हरियाणा एक प्रमुख गंतव्य बनकर उभरा है। दुनिया की कोई भी कंपनी भारत में निवेश करना चाहती है तो उसकी प्राथमिकताओं में हरियाणा शामिल रहता है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव के समय इन पार्टियों द्वारा जनता से बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन वादों को पूरा करने के बजाय प्रचार और विज्ञापन पर अधिक ध्यान दिया जाता है।

आज नशे की समस्या विकराल हो चुकी है। युवाओं को रोजगार देने के वादे भी पूरे नहीं हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की सरकारों के कार्यकाल में पंजाब के लोगों को जिन समस्याओं से जूझना पड़ा है, उनका जवाब इन पार्टियों को जनता को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार ने जनता से किए गए 217 संकल्पों में से 74 संकल्प पूरे कर दिए हैं और शेष 143 संकल्पों पर तेजी से काम किया जा रहा है।

महिलाओं के सशक्तिकरण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के वादे किए, लेकिन पंजाब में महिलाओं को आज भी अपने हक की राशि के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

बुजुर्गों, गरीबों और महिलाओं के कल्याण के लिए हरियाणा में हो रहा काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब, किसान, युवा, महिला और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। हरियाणा में इन योजनाओं के माध्यम से लोगों को लाभ मिल रहा है। उनका संकल्प है कि इन जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पंजाब के लोगों तक भी पहुंचे, ताकि किसान को उसकी फसल का उचित मूल्य मिले, महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा मिले, युवाओं को रोजगार और बुजुर्गों को सम्मानजनक जीवन मिले।

सीएम ने पंजाब के जालंधर में आयोजित जनसभा को किया संबोधित

आम आदमी पार्टी ने पिछले चुनाव में पंजाब के 25 लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था, आज मुख्यमंत्री मान गर्व से बताते हैं कि 60 हजार नौकरियां दी : सैनी

ओपन सर्च ब्यूरो



इस बार पंजाब में चुटकुलों वाली नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी की विकास वाली सरकार बनाएंगे : नायब सैनी
हरियाणा में बिना पर्ची-खर्ची दो लाख से अधिक युवाओं को दी सरकारी नौकरियां, सरकार बनने पर पंजाब में भी लागू होगी यही नीति



चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि फरवरी में होने वाले पंजाब के विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां के नशा कारोबारी या तो यह काम छोड़ देंगे या फिर प्रदेश छोड़ देंगे। पंजाब और हरियाणा में नशे के सौदागर नहीं रहने दिए जाएंगे। पंजाब के लोगों ने मन बना लिया है कि इस बार पंजाब में चुटकुलों वाली नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी की विकास वाली सरकार बनाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने यह बात शुक्रवार को पंजाब के जालंधर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने वादा किया था कि छह महीने में नशा खत्म कर दिया जाएगा लेकिन यहां हर दिन नशे की दलदल बढ़ती गई जिसमें यहां की युवा पीढ़ी धंसती चली गई लेकिन सरकार के पास नशा खत्म करने के लिए न तो कोई नीति है और न ही नीयत है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 2029 तक देश से नशे को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है जिसे पूरा करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत नीति बनाई जा रही है।

इस प्रकार के बड़े संकल्पों को केवल भाजपा सरकार ही पूरा कर सकती है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस केवल झूठे वादों के सहारे वोट लेना ही जानती हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पिछले चुनाव में वादा किया था कि पंजाब के 25 लाख युवाओं को नौकरी देंगे लेकिन आज मुख्यमंत्री टेलीविजन पर गर्व से बताते हैं कि उन्होंने अपने कार्यकाल में 60 हजार नौकरियां दी हैं। यह नौकरियां भी प्रभावशाली लोगों के बच्चों को भ्रष्टाचार के सहारे मिली है जिससे मेहनती व गरीब युवाओं के सपनों को सरकार ने रौंद दिया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री बताएं कि उन्होंने पंजाब में कितने मौहल्ला क्लीनिक खोले, इनमें कितने लोगों का मुफ्त इलाज हुआ और लोगों को यहां क्या-क्या सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा की 3 करोड़ आबादी में से डेढ़ करोड़ लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाए गए हैं जिन्हें हर साल 5 लाख रुपये के मुफ्त इलाज की सुविधा है।

इसके तहत अब तक 40 लाख लोगों ने मुफ्त इलाज करवाया है जिस पर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा 6000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में चुनाव से पहले भाजपा ने महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता देने का संकल्प लिया था जिसे सरकार बनते ही दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना बनाकर पूरा किया गया। सरकार ने अपने पहले ही बजट में इसके लिए 5000 करोड़ रुपये तथा दूसरे बजट में 6500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। अब तक इसके तहत 10 लाख से अधिक महिलाओं को 2500 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी ने 5 साल पहले महिलाओं को 1000 रुपये देने का वादा किया था जिसे अब चुनाव सिर पर आने के समय वोट लेने की नीयत से लागू किया गया है। नायब सैनी ने कहा कि पंजाब की वर्तमान सरकार चुटकुलों की सरकार बनकर रह गई है। लेकिन जनता अब समझने लगी है कि चुटकुलों से सिनेमाघर तो चल सकते हैं, सरकार नहीं चलती।

आज पंजाब की जनता को मिलकर फैसला करना है कि पंजाब को गुमराह करने वालों को वोट की चोट से सबक सिखाना है और प्रदेश को विकास की राह पर आगे बढ़ाने के लिए यहां नरेंद्र मोदी की डबल इंजन सरकार बनानी है। मुख्यमंत्री ने पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी मान सरकार को घेरते हुए कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां अमन-चैन कायम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब में भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां भी हरियाणा की नीतियों को लागू किया जाएगा जहां किसानों की सभी 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदा जाता है और युवाओं को बिना पर्ची-बिना खर्ची नौकरियां मिल रही हैं।

उन्होंने बताया कि हरियाणा में 2 लाख मेहनती व योग्य युवाओं को नौकरियां दी गई हैं जबकि पंजाब में ज्यादातर भर्तियां कोर्ट केस में फंसी हुई हैं। कभी नंबर-एक रहा पंजाब आज सरकार की गलतियों के कारण विकास के मामले में बहुत पिछड़ गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार द्वारा गरीब परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर मुहैया करवाए जा रहे हैं। पिछले 12 साल में 1.60 लाख परिवारों को रहने के लिए मकान दिए गए हैं। जिन लोगों के पास मकान बनाने के लिए जमीन नहीं थी उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में 100 गज तथा शहरी क्षेत्रों में 30 गज के प्लाट भी दिए गए हैं।

उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पंजाब की जनता भाजपा को वोट देकर यहां के विकास को चुनें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी, स. अरुण वालिया, देवेंद्र वालिया, सुशील रिंकू, जिला अध्यक्ष स. अशोक सरीन, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य स. दिनेश ढल्ल, एमडी प्रिंस चोपड़ा, पार्षद रवि कुमारी, गुरप्रीत विक्की व बबलू पंडित सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शांति-आनंद का महोत्सव : 126वीं हंस जयंती

अपने भीतर के आनंद को पहचानें, जीवन को विशेष बनाएं : प्रेम रावत

ओपन सर्च ब्यूरो



पानीपत। राज विद्या केंद्र, दिल्ली में हंस जी महाराज की 126वीं जयंती के उपलक्ष्य में दो दिवसीय विशेष 'हंस जयंती' समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह समारोह हंस जी महाराज के जीवन और उनके द्वारा शांति संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उनके सतत प्रयासों को समर्पित रहा। हंस जी महाराज, प्रेम रावत जी के पिता एवं उनके आदरणीय गुरु भी थे। उनका जन्म वर्ष 1900 में उत्तराखंड में हुआ था। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन इस सरल लेकिन गहन संदेश के प्रचार-प्रसार में समर्पित किया कि 'शांति हर मनुष्य के भीतर ही निहित है। वर्ष 1936 से उन्होंने लोगों तक शांति का संदेश पहुँचाना शुरू किया। उस समय परिस्थितियाँ अत्यंत कठिन थीं। भीषण गर्मी, दुर्गम सड़कें और अनेक जबड़े के बावजूद वे जनकल्याण के उद्देश्य से निरंतर यात्रा करते रहे। ऐसे क्षेत्रों में भी वे पहुँचते थे, जहाँ गर्मी इतनी अधिक होती थी कि रास्तों पर हवाओं के मुड़ने तक जमीन में धँस जाते थे। उनके उद्देश्य लोगों को जीवन की उस आंतरिक शांति और आनंद से परिचित कराना था, जो प्रत्येक मनुष्य के भीतर विद्यामान है।

वर्ष 1966 में हंस जी महाराज के भौतिक शरीर का अवसान हुआ, लेकिन उनका शांति संदेश प्रेम रावत जी के माध्यम से आज भी विश्वभर में प्रसारित हो रहा है। प्रेम रावत जी ने मात्र आठ वर्ष की आयु से ही इस संदेश को लोगों तक पहुँचाना प्रारंभ किया। उनका संदेश अत्यंत सरल है– जिस शांति की तलाश मनुष्य बाहर करता है, वह उसके भीतर ही विद्यामान है। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रेम रावत जी ने फूल का उदाहरण देते हुए जीवन की विशेषता को एक सुंदर दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि किसी फूल की विशेषता केवल इसलिए नहीं है कि उसे कहीं अर्पण किया जाता है। फूल की वास्तविक सुंदरता उसके अस्तित्व में है। वह अपनी महक फैलाता है और किसी ऐसे व्यक्ति के चेहरे पर भी मुस्कान ला सकता है, जो जीवन की जड़ों से घिरा हुआ हो। कभी-कभी एक फूल को देखकर व्यक्ति कुछ कार्यभार के लिए अपनी चिंताओं को भूल जाता है। यही उस फूल की विशेषता है। इसी उदाहरण के माध्यम से उन्होंने मनुष्य को भी अपने जीवन की वास्तविक विशेषता परिचित के लिए प्रेरित किया। मनुष्य का महत्व केवल उसकी सामाजिक पहचान या उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उस आनंद को जानने में है, जिसे वह अपने जीवन में अनुभव कर सकता है और दूसरों तक पहुँचा सकता है।

भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर को भेंट की वाल्मीकि रामायण, 'हर घर वाल्मीकि रामायण अभियान' को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

गीता देवी/ओपन सर्च ब्यूरो



करनाल। ग्लोबल इंस्पिरेशन एंड एजुकेशन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ वाल्मीकि रामायण द्वारा संचालित 'हर घर वाल्मीकि रामायण अभियान' के तहत आज भाजपा करनाल के जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर को उनके जन्मदिन के अवसर पर वाल्मीकि रामायण भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर अभियान के अंतरराष्ट्रीय संयोजक तेजिन्द्र सिंह तेजी ने प्रवीण लाठर को वाल्मीकि रामायण भेंट करते हुए उनके स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों, आदर्शों, मर्यादा, त्याग, कर्तव्य और मानवता का अनुपम मार्गदर्शक है। इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक घर तक महर्षि वाल्मीकि जी द्वारा रचित रामायण पहुंचाना और समाज के प्रत्येक वर्ग को इसके आदर्शों से जोड़ना है। तेजिन्द्र सिंह तेजी ने कहा कि 'हर घर वाल्मीकि रामायण अभियान' का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी द्वारा किया गया था।

उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से यह अभियान देश-विदेश में वाल्मीकि रामायण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। अभियान के माध्यम से विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सार्वजनिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को वाल्मीकि रामायण भेंट कर इस सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहल से जोड़ा जा रहा है।

कमरतोड़ महंगाई से आम आदमी परेशान, राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए सरकार : सैलजा

ओपन सर्च ब्यूरो



सरकारी स्कूलों में असुरक्षित पेयजल गंभीर चिंता का विषय, बच्चों के स्वास्थ्य से समझौता स्वीकार नहीं : कुमारी सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी एवं कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य कुमारी सैलजा ने देश में बढ़ती महंगाई पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम आदमी, किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्ग के परिवारों का घरेलू बजट प्रभावित किया है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.09 प्रतिशत पहुंच गई, जबकि खाद्य पदार्थों की महंगाई 8.94 प्रतिशत दर्ज की गई। बारह प्रमुख उपभोक्ता श्रेणियों में से ग्यारह में कीमतों में वृद्धि होना चिंताजनक है। विशेष रूप से प्याज, सब्जियों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का सबसे अधिक असर सीमित आय वाले परिवारों पर पड़ रहा है। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार को महंगाई के वास्तविक कारणों की गंभीरता से समीक्षा करते हुए आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए।

जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण, आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता तथा बाजार की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि महंगाई का सीधा संबंध रोजगार, आमदनी और आम नागरिक की क्रयशक्ति से है।

सीनियर सैकेण्डरी शैक्षिक व मुक्त विद्यालय पूरक परीक्षा का परिणाम हुआ घोषित

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा अक्तूबर-2026 में आयोजित करवाई गई सीनियर सैकेण्डरी शैक्षिक व मुक्त विद्यालय पूरक परीक्षा का परिणाम आज घोषित कर दिया गया है। यह परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.bseh.org.in पर आज से देखा जा सकता है। परीक्षार्थी अपना परिणाम अनुक्रमांक अथवा नाम/पिता/माता का नाम/जन्म तिथि के आधार पर बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर देख व डाउनलोड कर सकते हैं। इस आशय की विस्तृत जानकारी देते हुए बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शंकर लाल धूपड़ ने बताया कि सीनियर सैकेण्डरी शैक्षिक पूरक परीक्षा का परिणाम 68.32 प्रतिशत रहा। इस परीक्षा में 7219 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए थे, जिनमें से 4932 उत्तीर्ण हुए तथा 2044 परीक्षार्थियों की कंपार्टमेंट आई है। उन्होंने बताया कि परीक्षा में 4903 छात्रों ने भाग लिया, जिसमें 68.77 पास प्रतिशतता के साथ 3372 छात्र पास हुए। इसके अतिरिक्त परीक्षा में प्रविष्ट हुई 2316 छात्राओं में से 67.36 पास प्रतिशतता के साथ 1560 छात्राएं पास हुई। इस परीक्षा में जिला सिरसा 88.19 पास प्रतिशतता के साथ प्रथम स्थान पर तथा जिला महेन्द्रगढ़ 50.00 के साथ सबसे निचले पायदान पर रहा। उन्होंने आगे बताया कि इसी प्रकार सीनियर सैकेण्डरी मुक्त विद्यालय पूरक परीक्षा का परिणाम 52.10% रहा है।

इस परीक्षा में प्रविष्ट हुए 12864 परीक्षार्थियों में से 6702 उत्तीर्ण हुए तथा 6162 परीक्षार्थियों की रि-अपीयर आई है। उन्होंने बताया कि परीक्षा में भाग लेने वाले 8517 छात्रों में से 4262 छात्र पास हुए, जिनकी पास प्रतिशतता 50.04 रही। इसके अतिरिक्त 4347 छात्राओं मे से 2440 छात्राएं पास हुई, जिनकी पास प्रतिशतता 56.13 रही। इस परीक्षा में जिला पंचकुला 71.83 पास प्रतिशतता के साथ प्रथम स्थान पर तथा जिला चरखी-दादरी 27.91 के साथ सबसे निचले पायदान पर रहा।

छठ महापर्व के उल्लास में रंगी कर्ण नगरी, महापौर को महोत्सव के लिए किया आमंत्रित

गीता देवी/ओपन सर्च ब्यूरो



करनाल। कर्ण नगरी में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का उल्लास धीरे-धीरे चहुंओर दिखाई देने लगा है। त्योहार की तैयारियों के बीच एकता महापर्व सेवा समिति एवं श्री मां दुर्गा पूजा सेवा समिति के प्रतिनिधियों ने महापौर रेणु बाला गुप्ता को छठ पूजा महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया।

शुक्रवार को समिति के सदस्य चौधरी हाउस कॉलोनी स्थित महापौर निवास पहुंचे और उन्हें आमंत्रण-पत्र भेंट कर आयोजन की रूपरेखा एवं तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर महापौर रेणु बाला गुप्ता ने समिति के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए महोत्सव के सफल आयोजन में पूर्ण सहयोग और सहभागिता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और हमारी समृद्ध परंपराओं का अत्यंत पावन पर्व है। यह पर्व सूर्योपासना और छठी मैया की आराधना के माध्यम से प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अनुशासन, पवित्रता, त्याग और समर्पण का संदेश देता है। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि छठ पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता, पारिवारिक एकजुटता और सामूहिक सहभागिता का भी अनुपम उदाहरण है। इस महापर्व में व्रती कठिन तप, श्रद्धा और पूरी निष्ठा के साथ भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। डूबते और उगते सूर्य की उपासना हमें जीवन में विनम्रता, धैर्य और निरंतर सकारात्मकता बनाए रखने की प्रेरणा देती है।

छठ पर्व समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में पिरोने के साथ हमारी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि करनाल सभी धर्मों, समुदायों और संस्कृतियों का सम्मान करने वाला शहर है। यहां प्रत्येक पर्व और उत्सव को आपसी भाईचारे तथा सौहार्द के साथ मनाया जाता है। छठ महोत्सव जैसे आयोजन शहर की सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विविधता को और मजबूत करते हैं। उन्होंने कामना की कि छठ मैया की कृपा सभी पर बनी रहे और हर परिवार में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आए। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता भी उपस्थित रहे।

सहभागिता बढ़ाना सांझा दायित्व

महापौर ने आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में जनसहभागिता बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए समिति को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

भाजपा उत्तर प्रदेश में फिर सरकार बनाने जा रही है, कोई भी उठक-बैठक करे भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ेगा : अनिल विज

ओपन सर्च ब्यूरो



चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भीम आर्मी और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के गठबंधन की चर्चा पर बयान दिया और कहा कि भाजपा उत्तर प्रदेश में फिर सरकार बनाने जा रही है, कोई भी उठक-बैठक करे भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि भाजपा उत्तर प्रदेश में एक बार फिर सरकार बनाने जा रही है और लोगों ने मन बना रखा है कि भारतीय जनता पार्टी को वोट देनी है। अब कोई भी उठक-बैठक करते रहे, भारतीय जनता पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री को बहस की चुनौती देने के प्रश्न पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि लोकसभा चुने हुए प्रतिनिधियों के लिए बहस करने का मंच है। यह लोग या तो वहां शोर मचाते हैं या फिर वॉकआउट कर जाते हैं। इन्हें अपनी बात रखने के लिए वहां कौन रोकता है। पंजाब चुनाव में आम आदमी पार्टी द्वारा अपने प्रत्याशियों की सूची जारी करने के प्रश्न पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह उनका अंदरूनी मामला है और हमें उससे कुछ लेना-देना नहीं है। भारतीय जनता पार्टी पंजाब में पूरी तरह से तैयार है और पंजाब में भी भारतीय जनता पार्टी ही चुनाव जीतेगी।

30 साल में सरकारी स्कूलों की बदली तस्वीर, 94% तक पहुंचा परीक्षा परिणाम : महीपाल ढांडा

ओपन सर्च ब्यूरो



चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के स्तर को लेकर बनी धारणा अब बदल रही है। वर्ष 2013-14 में सरकारी स्कूलों का परीक्षा परिणाम 32 से 38 प्रतिशत तक रहता था, जो अब बढ़कर 90 से 94 प्रतिशत तक पहुंच गया है। करीब 30 साल बाद सरकारी स्कूलों के प्रति लोगों का नजरिया बदलने लगा है। मंत्री शुक्रवार को गन्नौर (सोनीपत) के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित एनुअल एजुकेशनल फेस्ट में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता लगातार बेहतर हो रही है। अब यह धारणा टूट रही है कि सरकारी स्कूलों में अच्छी पढ़ाई नहीं होती। उन्होंने कहा कि आज देश और प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में जो क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है, उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को जाता है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने सदियों पुरानी पारंपरिक और रट्टामार शिक्षा पद्धति को बदलकर एक ऐसी व्यवस्था को जन्म दिया है, जो विद्यार्थी की आंतरिक क्षमताओं को उभारती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'स्किल इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियानों ने हमारे युवाओं को जॉब सीकर से बदलकर जॉब क्रिएटर बनने की प्रेरणा दी है। आज देश का युवा तकनीकी रूप से सक्षम हो रहा है, और भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ-साथ आधुनिक विज्ञान की ओर कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार शिक्षा और युवाओं के उत्थान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश के विकास की धुरी हमारे युवा हैं। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों के सवाल पूछने के तरीके, आत्मविश्वास और राजनीतिक-सामाजिक मुद्दों की समझ की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों में नेतृत्व क्षमता, तार्किक सोच और लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ विकसित करती हैं।

शिक्षा मंत्री ने जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में 19 शिकायतों की सुनवाई करते हुए 14 शिकायतों का किया समाधान

ओपन सर्च ब्यूरो



- पीएफ से संबंधित पेंडेंसी की जांच करें अतिरिक्त उपायुक्त, ताकि पात्र लोगों को बिना वजह न काटने पड़े चक्कर : शिक्षा मंत्री
- बैठक में शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग 352 ए के बनने से गांव लाठ-जोली के खेतों के रास्ते बंद होने से संबंधित शिकायत पर एसडीएम को विजिट कर समाधान करवाने के दिए निर्देश

सोनीपत। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में आयोजित जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुल 19 शिकायतों की सुनवाई की। इनमें से 14 शिकायतों का समाधान करवाया गया, जबकि 5 शिकायतों को लंबित रखते हुए संबंधित अधिकारियों को अगली बैठक तक आवश्यक कार्रवाई पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति का उद्देश्य आमजन की समस्याओं को सुनकर उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों को केवल औपचारिक प्रक्रिया तक सीमित न रखें, बल्कि प्रत्येक मामले की वास्तविक स्थिति की जांच करते हुए ठोस कार्रवाई करें। बैठक के दौरान पीएफ से संबंधित शिकायत का समाधान करवाते हुए उन्होंने अतिरिक्त उपायुक्त को निर्देश दिए कि वे पीएफ से संबंधित आने वाली शिकायतों की पेंडेंसी चैक करें और देखें कि कितने दिन पुराने आवेदनों का समाधान नहीं हुआ है। अगर इस बारे किसी भी संबंधित अधिकारी की कोई लापरवाही मिले तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे पीएफ से संबंधित आवेदनों का तुरंत समाधान करें ताकि पात्र लोगों को बेवजह चक्कर न काटने पड़े। इस दौरान सेक्टर-12 निवासी रामफल सिंह ने शिकायत दी कि गोहाना-सोनीपत नेशनल हाइवे 352 ए के बनने से उसकी भूमि हाइवे के दोनों और आ गई है, जिससे उसके खेतों में आने-जाने का रास्ता बंद हो गया है।

इस शिकायत की सुनवाई करते हुए शिक्षा मंत्री ने एसडीएम की ड्यूटी लगाई कि वे तुरंत लाठ-जोली स्थित इस भूमि का विजिट करें और अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि इस किसान को खेतों में जाने के लिए रास्ता उपलब्ध करवाने की कार्यवाही की जा सके। खरखौदा वार्ड निवासी-8 के लोगों की अवैध होटलों से संबंधित शिकायत पर शिक्षा मंत्री ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इन होटलों की समय-समय पर चैकिंग करें और देखें कि वहां पर कोई अवैध गतिविधियां तो नहीं हो रही।

गांव ताजपुर तिहाड़ खुर्द निवासी नरेश की सड़क पर हुए अवैध कब्जे की शिकायत पर शिक्षा मंत्री ने पीडब्ल्यूडी एक्सईएन को निर्देश दिए कि अगले 15 दिन में इस अवैध कब्जे को हटवाने सुनिश्चित करें।

आप पार्टी का दावा- 'दिल्ली सरकार ने वासुदेव घाट पर बनाई नकली यमुना', भाजपा ने लगाया अफवाह फैलाने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)



छठ पर्व के बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर 'नकली यमुना' बनाने का आरोप लगाया है। पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार ने वासुदेव घाट पर 'नकली यमुना' को पानी देने के लिए जमीन के नीचे पीने के पानी की पाइपलाइन लगाई है। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'नकली यमुना फिर से। इस साल भी भाजपा सरकार ने वासुदेव घाट पर 'नकली यमुना' को पानी देने के लिए जमीन के नीचे पीने का पानी की पाइपलाइन लगाई है।' सौरभ भारद्वाज ने कहा, पिछले साल भाजपा की दिल्ली सरकार ने यमुना साफ होने का झूठा दावा करने के लिए 'नकली यमुना' बनाई थी। जब हमने उन्हें बेनकाब किया, तो यह पूरे देश के लिए शर्म की बात बन गई। इस साल भी सरकार झूठा दावा कर रही थी कि उन्होंने यमुना साफ कर दी है। फिर उन्हें पीने का पानी क्यों चाहिए, वह भी जमीन के नीचे छिपी पाइप से इस वीडियो को शेयर करते हुए आम आदमी पार्टी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से पोस्ट किया, भाजपा सरकार झूठ और दिखावे की राजनीति में इस हद तक उतर आएगी, शायद ही किसी ने सोचा होगा।

पिछले साल छठ महापर्व पर यमुना साफ होने का झूठा दावा करने के लिए नकली घाट बनाया गया था। जब भाजपा की पोल खुली तो पूरे देश के सामने शर्मिंदगी उठानी पड़ी। लेकिन इस साल भी सबक लेने के बजाय वासुदेव घाट पर फिर वही खेल दोहराया जा रहा है। पार्टी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, इस बार घाट में पानी पहुंचाने के लिए जमीन के नीचे पीने के पानी की पाइपलाइन बिछाई गई है। जब यमुना साफ है, तो फिर जमीन के नीचे पाइपलाइन बिछाने की जरूरत क्यों पड़ी? उधर, भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है। दिल्ली भाजपा ने 'एक्स' पर एक और वीडियो शेयर किया। साथ ही, पोस्ट में लिखा, केजरीवाल जी और कितना नीचे गिरेंगे? 2 साल के अंदर ही आधे से अधिक यमुना साफ क्या हुई आपिए बौखला कर देखिए क्या अफवाह फैला रहे हैं।

यमुना में मरी मछलियां डालकर वीडियो बनाए, कोई इतना नीचे कैसे गिर सकता है : मनजिंदर सिंह सिरसा



नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो पोस्ट करके अरविंद केजरीवाल को घेरा है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने एक्स पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, 'राजनीति में इतना भी गिरा जा सकता है, ये कोई कल्पना नहीं कर सकता, जो केजरीवाल और उनके साथियों ने परसों किया है। भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने यमुना को 60 प्रतिशत तक साफ करने का रिकॉर्ड कायम किया। दिल्ली के लोग सोशल मीडिया पर इसकी वीडियो पोस्ट कर रहे थे। उनको (अरविंद केजरीवाल) इतनी पीड़ा हुई कि बाजार से मरी हुई मछलियां लेकर आए और यमुना में डालकर वीडियो बनाने लगे।' उन्होंने कहा, यहां पर छठ मैया की पूजा होनी है। बहनें यहां आकर अर्घ्य देंगी। उसमें ये (अरविंद केजरीवाल) मरी मछलियां डाल रहे हैं।

इससे बड़ा पाप क्या हो सकता है? दिल्ली वालों को बताना चाहता हूं कि कभी यमुना जी में सफेद मछलियां दिखी थीं। ये मरी हुई मछलियां कहां से आई। आम आदमी पार्टी पर अब धब्बे लग रहे हैं कि दिल्ली के 60 प्रतिशत कूड़े के पहाड़ हट गए, 60 प्रतिशत यमुना जी साफ हो गई। दिल्ली में प्रदूषण घटने लगा और बीते 10 वर्षों में सबसे साफ दिन हो गए और दीपावली के बाद इतने साफ और खुले दिन हैं। उनको ये बर्दाश्त नहीं हो रहा है। दिल्ली के मंत्री ने कहा, राजनीति में सीमाएं होती हैं, कोई इतना नीचे गिर जाएगा कि व्रत रखने वाली बहनों की भी चिंता नहीं है। आम आदमी पार्टी वही पार्टी है, जिसने यहां बोर्ड लगा दिए थे कि यमुना में आकर किसी ने छठ पूजा करने की कोशिश की तो एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। छठ पूजा करने वालों पर एफआईआर दर्ज करा दी थी। हमारी सरकार ने 60 प्रतिशत यमुना जी को साफ करने का एक नया कीर्तिमान हासिल किया है।

'कर्म, पुण्य, धन, धान्य, गुरु वचन और औषधि को उचित रीति से ग्रहण करना चाहिए', पीएम मोदी ने साझा किया सुभाषित

नई दिल्ली (एजेंसी)



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुभाषित साझा किया है। संस्कृत के एक श्लोक के माध्यम से पीएम मोदी ने धर्म, धन, अन्न, गुरु-ज्ञान और औषधि जैसे जीवन के अनमोल तत्वों को सही ढंग से अपनाने का संदेश दिया है।

प्रधानमंत्री की ओर से एक्स पोस्ट में संस्कृत श्लोक, 'धर्म धनं च धान्यं च गुरोर्वचनमौषधम। सुगृहीतं च कर्तव्यमन्यथा तु न जीवति॥' साझा किया गया है, जिसका हिंदी भावार्थ है कि धर्म अर्थात् अच्छे कर्म और पुण्य, धन अर्थात् ईमानदारी से कमाया गया पैसा, धान्य अर्थात् अनाज या भोजन का भंडार, गुरु के वचन अर्थात् गुरु द्वारा दी गई शिक्षा एवं परामर्श, औषधि अर्थात् दवाइयां और स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान–इन सभी को उचित रीति से ग्रहण और आत्मसात् करना चाहिए।

क्योंकि यदि इनका समुचित उपयोग न किया जाए तो ये जीवन में अपना अपेक्षित फल प्रदान नहीं करते। पीएम मोदी की ओर से साझा किया गया यह संस्कृत श्लोक आचार्य चाणक्य द्वारा रचित 'चाणक्य नीति' के 14वें अध्याय के 19वें श्लोक से लिया गया है। इस श्लोक के माध्यम से आचार्य चाणक्य समझाते हैं कि जीवन में नैतिक आचरण, सत्य और कर्तव्य का पालन करना आवश्यक है। इसके बिना मनुष्य का जीवन पशु के समान हो जाता है। संकट के समय और परिवार के भरण-पोषण के लिए धन का संचय करना जरूरी है।

आचार्य चाणक्य इस श्लोक के माध्यम से कहते हैं कि जीवन चलाने के लिए अन्न या धान्य का संग्रह होना चाहिए ताकि भविष्य में भुखमरी की नौबत न आए। गुरु या मार्गदर्शक की अच्छी शिक्षाओं और वचनों को ध्यान में रखना चाहिए, क्योंकि सही दिशा-निर्देश के बिना जीवन भटक जाता है। बीमार पड़ने पर समय पर उचित दवा का सेवन करना चाहिए।

दिल्ली-नोएडा-गाजियाबाद की हवा जहरीली, कई इलाकों में एक्यूआई 500 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)



राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रदूषण ने एक बार फिर से भयावह रूप धारण कर लिया है। पूरा एनसीआर अब एक 'गैस चैंबर' में तब्दील हो चुका है, जहां सांस लेना दूभर हो गया है। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 500 के खतरनाक स्तर के बेहद करीब पहुंच गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, सुबह के समय वातावरण में स्मॉग (धुंध और धुएं का मिश्रण) की मोटी चादर ने विजिबिलिटी (दृश्यता) को काफी कम कर दिया है। ताजा मौसम रिपोर्ट के मुताबिक, 13 से 18 नवंबर तक राजधानी में घना कोहरा और स्मॉग छाया रहेगा। दिन का तापमान 26 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि सुबह के वक्त ह्यूमिडिटी 95 प्रतिशत तक पहुंच रही है। हवा में नमी और प्रदूषकों के जमा होने से आने वाले दिनों में समस्या और बढ़ने की आशंका है। वायु प्रदूषण के आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति बेहद डरावनी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के 59 में से 58 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया है।

दिल्ली में सबसे खराब हालात चांदनी चौक के हैं, जहां एक्यूआई 480 तक पहुंच गया है। इसके अलावा बुराड़ी क्रॉसिंग में 459, मथुरा रोड पर 457, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 451, आया नगर में 433 और डीटीयू में 443 एक्यूआई दर्ज किया गया है। आनंद विहार (418), बवाना (416), अशोक विहार (405) और बदरपुर (405) जैसे इलाके भी जहरीली हवा की चपेट में हैं। द्वारका सेक्टर-8 (366) और घुम्मनहेरा (351) में भी हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है। एनसीआर के अन्य शहरों की बात करें तो नोएडा की स्थिति भी दिल्ली से बेहतर नहीं है। नोएडा के 7 स्टेशनों में से सेक्टर-62 में एक्यूआई 474 दर्ज किया गया है, जो 'सीवियर प्लस' श्रेणी में आता है। सेक्टर-116 में 402, सेक्टर-125 में 353 और सेक्टर-1 में 335 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, गाजियाबाद की हवा भी जहर घोल रही है। यहां इंदिरापुरम में एक्यूआई 432, वसुंधरा में 405, न्यू तहसील-लोनी में 398, वेव सिटी में 396 और संजय नगर में 391 दर्ज किया गया है। अन्य इलाकों में लोनी (385), वेद विहार-लोनी (345) और गोविंदपुरम (253) में भी प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है।

परिसीमन पर कांग्रेस का बयान देशविरोधी एजेंडा, ओवैसी-चंद्रशेखर गठबंधन से यूपी में कोई फर्क नहीं पड़ेगा : प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)



संसद के विशेष सत्र और परिसीमन विधेयक, ओवैसी-चंद्रशेखर आजाद गठबंधन, पाकिस्तान से आतंकवाद रोकने की फारूक अब्दुल्ला की अपील सहित कई मुद्दों पर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की बैठक पर प्रतिक्रिया दी। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने परिसीमन बिल पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को लेकर कांग्रेस के बयान पर कहा, 'जिस तरीके से देश में आबादी बढ़ती है और उससे जो लोग नए मतदाता बनते हैं, उनके लिए परिसीमन आवश्यक है।

एक निश्चित अवधि के बाद परिसीमन लगातार होता आया है। इसलिए परिसीमन होने से देश के अधिकांश लोगों को लोकतंत्र में भाग लेने का अवसर मिलेगा। जो भी कांग्रेस या विपक्ष के लोग बोलते हैं, वे केवल उनका देशविरोधी एजेंडा है, जिसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।' भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने पाकिस्तान को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के बयान पर कहा, अब फारूक अब्दुल्ला समय-समय पर बयान देते रहते हैं, लेकिन एक बात तय है कि भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता से कोई समझौता नहीं होगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार नहीं, अनेक बार कह चुके हैं। पहले पाकिस्तान अपने आप को सुधारे। पाकिस्तान इस बात का आश्वासन दे और फिर उसके बाद हमारा नेतृत्व तय करेगा कि पाकिस्तान के साथ कैसा व्यवहार करना है।

केंद्र सरकार कैब रेंटल के नियमों में करने जा रही बदलाव, ग्राहकों को मिलेंगे ज्यादा विकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)



केंद्र सरकार ने देश में कैब रेंटल के नियमों में बदलाव करने का प्रस्ताव दिया है। इससे कैब रेंटल बिजनेस को खोलना और ऑपरेट करना आसान हो जाएगा। साथ ही, ग्राहकों की सुरक्षा में भी इजाफा होगा। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। कैब रेंटल के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक नया फ्रेमवर्क प्रस्तावित किया है जिसमें सरल प्रक्रियाओं के साथ-साथ बेहतर ग्राहक सहायता भी शामिल है। इससे कैब व्यवसाय में प्रवेश करना आसान हो जाएगा, जिससे ग्राहकों के पास चुनने के लिए अधिक विकल्प होंगे। नए फ्रेमवर्क के तहत ऑपरेटरों को बिना ड्राइवर या ड्राइवर के साथ कैब उपलब्ध कराने का विकल्प मिल सकता है। न्यूनतम फ्लीट की शर्त 50 से घटाकर 5 कर दी गई है, जिसमें हर परिचालन स्थल पर कम से कम 2 कैब होनी चाहिए। साथ ही, पांच पर्यटन शहरों में शाखाएं खोलने की अनिवार्यता को भी हटाया जा सकता है। मंत्रालय के अनुसार, पूरे राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में एक समान शुल्क पर मान्य एक ही लाइसेंस, अलग-अलग मुख्य और शाखा लाइसेंसों की जगह लेगा। संचालन के स्वीकृत स्थानों में हवाई अड्डे, स्टेशन और बस टर्मिनल शामिल हो सकते हैं।

इस फ्रेमवर्क में प्रस्ताव दिया गया है कि लाइसेंस जारी करने और नवीनीकरण का काम 60 दिनों के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। कैब या संचालन के स्थानों को जोड़ने या हटाने के लिए 30 दिनों की 'डीम्ड-अप्रूवल' व्यवस्था शुरू की जा सकती है। इलेक्ट्रॉनिक 'वाहन' रजिस्टर और डेटा को अपने आप प्राप्त करने की सुविधा से नियमों का पालन करना आसान हो जाएगा और कागजी काम कम होगा। मंत्रालय ने कहा, कैब में लोकेशन ट्रैकिंग, चाइल्ड रिस्ट्रेंट सिस्टम (वैकल्पिक) और फर्स्ट-एड किट होनी चाहिए। ऑपरेटरों को एक वेबसाइट, 24 घंटे शिकायत निवारण सुविधा, आपातकालीन मरम्मत और टोइंग की सुविधा देनी होगी। मंत्रालय ने यह भी बताया कि ऑपरेटर द्वारा रखे गए ड्राइवरों का पुलिस वेरिफिकेशन होना जरूरी है। साथ ही, 'सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020' के तहत उनके कल्याण का ध्यान भी रखा जाएगा। इसके अलावा, अगर कैब या ऑपरेटर के ड्राइवर से जुड़े किसी गंभीर अपराध का मामला सामने आता है, तो ऑपरेटर के लाइसेंस की वैधता कम कर दी जाएगी। इसके अलावा, सरकार ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि लाइसेंस सस्पेंड या रद्द करने से पहले, ऑपरेटरों को छोटी-मोटी कमियों को सुधारने का समय दिया जाए।

केंद्र सरकार ने जाकिर नाइक की 'इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन' पर लगे प्रतिबंध को पांच साल और बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत सरकार ने जाकिर नाइक के नेतृत्व वाली 'इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन' (आईआरएफ) पर लगे प्रतिबंध को और पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। इसे एक 'गैर-कानूनी संगठन' माना गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इसके संबंध में अधिसूचना जारी की।

गृह मंत्रालय के अनुसार, 'गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967' की धारा 6 की उप-धारा (1) के तहत 'इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन' पर लगाए गए प्रतिबंध की अवधि 14 नवंबर 2026 को समाप्त हो रही है। केंद्र सरकार ने 15 नवंबर 2021 को 'गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम-1967' की धारा 3 की उप-धारा (1) के तहत इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन को एक 'गैर-कानूनी संगठन' घोषित किया था। फिलहाल, सरकार ने इस प्रतिबंध को अगले पांच साल के लिए बढ़ाया है। शुक्रवार को जारी अधिसूचना में इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन पर प्रतिबंध बढ़ाने के कई कारण बताए गए हैं। इसमें कहा गया, 'केंद्र सरकार का यह मानना है कि इसकी गतिविधियों को देखते हुए आईआरएफ को तत्काल प्रभाव से एक 'गैर-कानूनी संगठन' घोषित करना जरूरी है।' गृह मंत्रालय ने आईआरएफ पर ऐसी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया, जो देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक हैं और जिनसे शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ने का खतरा है। साथ ही, जाकिर नाइक के भाषणों को मुख्य आधार बनाया है। अधिसूचना में कहा गया, जाकिर नाइक अलग-अलग धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी और नफरत को बढ़ावा दे रहा है। वह भारत व विदेशों में एक विशेष धर्म के युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहा है।

पीएम मोदी को क्या करना चाहिए, यह कहना मेरे लिए उचित नहीं : भारत-बांग्लादेश संबंधों पर शेख हसीना

नई दिल्ली (एजेंसी)



बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने उम्मीद जताई कि उनकी व्यक्तिगत परिस्थितियां भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों के आड़े नहीं आएंगी। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे ऐतिहासिक संबंधों और साझा रणनीतिक हितों पर जोर दिया। बातचीत में हसीना ने कहा कि दोनों देशों के संबंधों को किसी एक व्यक्ति से जुड़े राजनीतिक मतभेदों का बंधक नहीं बनाया जाना चाहिए।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत सरकार के फैसलों पर टिप्पणी करना मेरे लिए उचित होगा। भारत एक संप्रभु देश है। उसके अपने कानून और प्रक्रियाएं हैं, और उसकी सरकार उन्हीं के अनुसार फैसला करेगी, लेकिन मुझे उम्मीद है कि मेरी निजी स्थिति बांग्लादेश और भारत के संबंधों में बाधा नहीं बनेगी। हमारे संबंध 1971 के मुक्ति संग्राम तक जाते हैं। हमारी लंबी साझा सीमा, साझा इतिहास और व्यापार, ऊर्जा, संपर्क और सुरक्षा से जुड़े अहम हित हैं।

हसीना ने कहा कि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली पूर्व अंतरिम सरकार और सत्तारूढ़ बीएनपी प्रशासन, दोनों ने ही बार-बार उनकी बांग्लादेश वापसी की मांग की थी। उन्होंने आगे सवाल उठाया कि अब जब उन्होंने स्वेच्छा से लौटने का फैसला किया है, तो इस पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन संबंधों को राजनीतिक मतभेदों के कारण किसी एक व्यक्ति का बंधक नहीं बनने देना चाहिए। आप जानते हैं, यूनुस के प्रशासन और मौजूदा सरकार, दोनों ने बार-बार मेरी बांग्लादेश वापसी की मांग की है। अब मैंने खुद लौटने का फैसला किया है। तो फिर किसी को आपत्ति क्यों होनी चाहिए? ढाका द्विपक्षीय संबंधों को उनके प्रत्यर्पण से जोड़ने की कोशिशों के बीच भारत-बांग्लादेश संबंधों को बनाए रखने के बारे में पूछे जाने पर हसीना ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारत की कूटनीतिक नीति पर टिप्पणी करना या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को क्या करना चाहिए, यह सुझाव देना उनके लिए उचित होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत की कूटनीतिक नीति पर टिप्पणी करना या यह सुझाव देना मेरे लिए उचित होगा कि प्रधानमंत्री मोदी को क्या करना चाहिए। अवामी लीग ने हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने में विश्वास किया है, साथ ही बांग्लादेश की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए।

हमारे कार्यकाल में हमने भारत के साथ संबंध मजबूत किए और चीन, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य देशों के साथ भी निकटता से काम किया। हसीना ने जोर देकर कहा कि नई दिल्ली और ढाका के बीच स्थायी द्विपक्षीय सहयोग के लिए बांग्लादेश में लोकतांत्रिक वैधता और व्यापक जनसमर्थन वाली एक प्रतिनिधि सरकार की जरूरत है, न कि ऐसी सरकार की जो आबादी के एक बड़े हिस्से को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखती हो।

यूपी में दो आईपीएस अधिकारियों के तबादले, मनोज बने राज्यपाल के एडीसी, उत्तराखंड में 24 पीसीएस अफसरों को नई जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल किया गया है। उत्तर प्रदेश में दो आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। वहीं, 2022 बैच के आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार यादव को उत्तर प्रदेश के राज्यपाल का एडीसी (निजी सहायक) नियुक्त किया गया है। दूसरी ओर, उत्तराखंड शासन ने पीसीएस संवर्ग के 24 अधिकारियों के तबादले करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। उत्तर प्रदेश में जारी तबादला आदेश के तहत अजय कुमार सहानी को डीआईजी रेंज मुरादाबाद बनाया गया है।

वहीं, मुनिराज जी को डीआईजी रेंज बरेली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा, 2022 बैच के आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार यादव को राज्यपाल का एडीसी नियुक्त किया गया है। उन्हें राज्यपाल के निजी सहायक के रूप में जिम्मेदारी दी गई है। उत्तराखंड शासन ने प्रशासनिक फेरबदल के तहत पीसीएस संवर्ग के 24 अधिकारियों की तैनाती में बदलाव किया है। आदेश के अनुसार, राजकुमार पांडे और अभय प्रताप सिंह को डिप्टी कलेक्टर देहरादून बनाया गया है। उत्तरकाशी में तैनात बृजेश कुमार तिवारी को टिहरी भेजा गया है, जबकि अजयवीर सिंह को भी डिप्टी कलेक्टर टिहरी की जिम्मेदारी दी गई है। नैनीताल में डिप्टी कलेक्टर के रूप में शिप्रा जोशी, तुषार सैनी, गौरव पांडे और अमृता शर्मा की तैनाती की गई है। अपर्णा ढोंडियाल को अधिशासी निदेशक डोईवाला चीनी मिल बनाया गया है। वहीं, मनीष बिष्ट को निदेशक प्रशासन एवं मॉनिटरिंग, पंतनगर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा देवानंद को डिप्टी कलेक्टर पौड़ी और कृष्णा त्रिपाठी को डिप्टी कलेक्टर चमोली बनाया गया है। नवाजिश खलिक को अल्मोड़ा भेजा गया है। चंद्रशेखर और अबरार अहमद को उत्तरकाशी में तैनाती दी गई है।

माइक्रोसॉफ्ट की तकनीकी खराबी से दुनियाभर में हड़कंप, बैंकिंग से लेकर हवाई सेवाओं तक प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)



माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं में आई तकनीकी खराबी ने कई देशों में सामान्य कामकाज को प्रभावित कर दिया है। हॉन्गकॉन्ग में बैंकिंग सेवाओं में परेशानी सामने आई, जबकि ऑस्ट्रेलिया में खुफिया एजेंसियों और पुलिस के कामकाज पर असर पड़ा। जापान में सरकारी सिस्टम प्रभावित हुए हैं। वहीं, फिलीपींस में अदालतों का कामकाज भी बाधित हुआ है। इसके अलावा कई जगहों पर स्कूलों और अस्पतालों की सेवाएं भी प्रभावित होने की खबर है। भारत में इस तकनीकी समस्या का असर विमान सेवाओं पर पड़ा है। शुक्रवार सुबह स्पाइसजेट ने दिल्ली से संचालित होने वाली तीन उड़ानें रद्द कर दीं। वहीं, दरभंगा और मुंबई जाने वाली दो फ्लाइट्स में देरी हुई। यात्रियों की परेशानी को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट ने एडवाइजरी जारी की है। एयरपोर्ट प्रशासन ने लोगों से घर से निकलने से पहले अपनी फ्लाइट का ताजा स्टेटस जांचने की अपील की है। इंडिगो और अकासा एयर ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

15 घंटे से प्रभावित हैं माइक्रोसॉफ्ट की ऑनलाइन सेवाएं

दुनियाभर में माइक्रोसॉफ्ट की कई अहम ऑनलाइन सेवाएं करीब 15 घंटे से प्रभावित बताई जा रही हैं। इसके चलते यूजर्स को ईमेल भेजने, ऑनलाइन मीटिंग करने और क्लाउड पर फाइल सेव करने जैसे कामों में परेशानी हो रही है। आउटेज पर नजर रखने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक के काम नहीं करने को लेकर दुनियाभर से 1.40 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं।

सॉफ्टवेयर अपडेट में गड़बड़ी बनी वजह

माइक्रोसॉफ्ट की ओर से बताया गया है कि सिस्टम में आई समस्या सॉफ्टवेयर अपडेट में गड़बड़ी के कारण हुई। हालांकि, कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, तकनीकी खराबी को ठीक करने की प्रक्रिया जारी है और सेवाओं को सामान्य करने में परेशानी आ रही है। इस आउटेज के कारण दुनियाभर में कंपनियों, सरकारी संस्थानों और आम यूजर्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई के अच्छे नतीजे दिख रहे हैं : नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)



केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, टीबी के खिलाफ हमारी लड़ाई एक देशव्यापी जन आंदोलन बन गई है, जो तकनीक, सामुदायिक भागीदारी और मरीजों पर ध्यान देने वाली देखभाल से चल रही है। उन्होंने लिखा, टीबी मुक्त भारत अभियान के जरिए, 25 करोड़ से ज्यादा लोगों की तेज स्क्रीनिंग की गई है

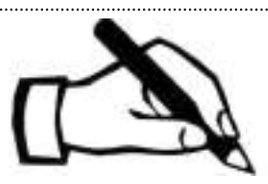
तपेदिक (टीबी) के खिलाफ देश की लड़ाई के अच्छे नतीजे सामने आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा (जे.पी. नड्डा) की ओर से सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की गई है। जेपी नड्डा ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई के अच्छे नतीजे दिख रहे हैं! डब्ल्यूएचओ ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2026 में भारत की बड़ी तरक्की को दिखाया गया है, जिसमें 2015 से टीबी से होने वाली मौतों में 38 प्रतिशत की कमी आई है, जो दुनिया भर में 35 प्रतिशत की गिरावट और 94 प्रतिशत इलाज की सफलता दर को पार कर गई है।'

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, टीबी के खिलाफ हमारी लड़ाई एक देशव्यापी जन आंदोलन बन गई है, जो तकनीक, सामुदायिक भागीदारी और मरीजों पर ध्यान देने वाली देखभाल से चल रही है। उन्होंने लिखा, टीबी मुक्त भारत अभियान के जरिए, 25 करोड़ से ज्यादा लोगों की तेज स्क्रीनिंग की गई है। 11 करोड़ से ज्यादा चेस्ट एक्स-रे और 3 करोड़ से ज्यादा मॉलिक्यूलर टेस्ट किए गए हैं। 48.64 लाख टीबी के मामलों का पता चला, जिनमें लगभग 15 लाख बिना लक्षण वाले मामले शामिल हैं, जिससे जल्दी इलाज हो सका। एआई-इनेबल्ड डायग्नोस्टिक्स से लेकर निक्षय पोषण योजना के तहत न्यूट्रिशनल सपोर्ट और निक्षय मित्रों की मेहनत से, हम टीबी केयर के हर पहलू को मजबूत कर रहे हैं।

जेपी नड्डा ने आगे लिखा, ये कामयाबियां हमारे इस इरादे को और पक्का करती हैं कि कोई भी टीबी मरीज पीछे न छूटे। जनभागीदारी और हमारी साझा प्रतिबद्धता के साथ, हम टीबी-मुक्त भारत की ओर बढ़ते रहेंगे। बता दें कि पिछले महीने देश में तपेदिक (टीबी) के खिलाफ लड़ाई में सामुदायिक भागीदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के सहयोग से 'जोश' (जोश-जॉइंट स्वाड फॉर हेल्थ) टीमों का शुभारंभ किया गया था। भारत में टीबी के खिलाफ लड़ाई को जनभागीदारी से और तेज करने की दिशा में 'जोश' अभियान की शुरुआत की गई है। इस पायलट प्रोग्राम के तहत 11 राज्यों के 55 जिलों में शुरू किए गए इस अभियान से करीब 58 हजार वॉलंटियर्स जुड़ेंगे। ये वॉलंटियर्स घर-घर जाकर टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ लोगों को जांच और इलाज के लिए प्रेरित करेंगे। अभियान में एनसीसी कैडेट्स और माय भारत के वॉलंटियर्स भी भागीदारी कर रहे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि भारत में टीबी के मामलों में 21 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, जबकि टीबी मरीजों के इलाज की कवरेज बढ़कर 92 प्रतिशत हो गई है। टीबी की पहचान के लिए अब हैंडहेल्ड एक्स-रे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एनएटी जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल भी बढ़ रहा है।

सम्पादकीय



विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से बदलती दुनिया की तस्वीर

वर्तमान युग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का युग है। आज मानव जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो, जहां विज्ञान और तकनीक का प्रभाव दिखाई न देता हो। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, संचार, परिवहन, रक्षा और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में वैज्ञानिक प्रगति ने दुनिया की तस्वीर बदल दी है। जिस कार्य को करने में पहले कई दिन या महीने लगते थे, आज वही काम आधुनिक तकनीक की मदद से कुछ ही मिनटों में पूरा हो जाता है। विज्ञान ने न केवल मानव जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है, बल्कि विकास की नई संभावनाओं के द्वार भी खोले हैं।

भारत ने भी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान में इसरो की सफलता ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश बनाया। आदित्य-एल1 मिशन के माध्यम से भारत सूर्य के अध्ययन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गगनयान मिशन की तैयारियां देश के वैज्ञानिक सामर्थ्य और आत्मनिर्भरता का परिचय देती हैं। ये उपलब्धियां साबित करती हैं कि भारत अब केवल तकनीक का उपयोग करने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीक विकसित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र भी बन रहा है।

डिजिटल क्रांति ने आम नागरिकों के जीवन में व्यापक परिवर्तन किया है। इंटरनेट, मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, आधार और ऑनलाइन सरकारी सेवाओं ने प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सरल और पारदर्शी बनाया है। आज गांवों में रहने वाला व्यक्ति भी मोबाइल फोन के माध्यम से बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी आधुनिक तकनीकें उद्योगों और व्यापार के स्वरूप को तेजी से बदल रही हैं। आने वाले समय में इनका प्रभाव रोजगार, उत्पादन और आर्थिक विकास पर और अधिक दिखाई देगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में विज्ञान ने नई उम्मीदें जगाई हैं। आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, रोबोटिक सर्जरी, टेलीमेडिसिन और नई दवाओं के विकास से गंभीर बीमारियों के उपचार में सहायता मिल रही है। दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले मरीज भी ऑनलाइन परामर्श के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों तक पहुंच बना रहे हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में ड्रोन, आधुनिक सिंचाई तकनीक, मौसम पूर्वानुमान और उन्नत बीजों के इस्तेमाल से किसानों को लाभ पहुंच रहा है। वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से कम लागत में अधिक उत्पादन और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग की संभावनाएं बढ़ी हैं।

छठ पूजा : आस्था समर्पण और लोक संस्कृति का महापर्व

कांतिलाल मांडोत

'सूरत में छठव्रतियों के स्वागत के लिए सजे घाट प्रशासन की तैयारियों की परीक्षा और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का उत्सव '

छठ पूजा भारत की प्राचीन धार्मिक परंपराओं और लोक आस्था का ऐसा अनुपम पर्व है, जिसमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सूर्य उपासना, अनुशासन, पवित्रता और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना एक साथ दिखाई देती है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस जीवनदृष्टि का प्रतीक है, जिसमें सूर्य को जीवन का आधार और जल को प्रकृति का अमूल्य उपहार माना गया है। देश के लगभग हर राज्य में छठ पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाती है। हालांकि बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसकी विशेष परंपरा रही है, लेकिन आज यह पर्व देश की सीमाओं से निकलकर राष्ट्रीय पहचान बना चुका है। गुजरात में भी विशेषकर उत्तर गुजरात के प्रवासी समाज के बीच छठ पूजा का विशिष्ट स्थान है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता छठव्रतियों का कठोर अनुशासन, अटूट विश्वास और अद्भुत समर्पण है। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व नहाय-खाय से आरंभ होता है। इसके बाद खरना का विधान होता है। तीसरे दिन व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं और अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करते हैं। इस दौरान व्रती पूरी श्रद्धा, पवित्रता और नियमों का पालन करते हैं। कई श्रद्धालु निर्जला उपवास रखकर सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करते हैं। उनकी यह साधना भारतीय नारी शक्ति, मातृत्व, त्याग और आत्मबल का प्रेरणादायक उदाहरण है। परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और समाज के कल्याण की भावना इस पर्व को और भी विशिष्ट बनाती है। सूरत जैसे औद्योगिक महानगर में छठ पूजा का उत्साह देखते ही बनता है। वस्त्र उद्योग, हीरा उद्योग, व्यापार, निर्माण क्षेत्र और विभिन्न रोजगारों से जुड़े बिहार, झारखंड तथा पूर्वांचल के लाखों लोग सूरत में रहते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में श्रमिक और व्यवसायी परिवार छठ पूजा मनाने के लिए अपने वतन लौटते हैं। त्योहार के अवसर पर रेलगाड़ियों और बसों में यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। अपने गांव, परिवार और पुश्तैनी परंपराओं के बीच छठ मनाने की इच्छा उन्हें हजारों किलोमीटर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करती है। उनके लिए छठ पूजा केवल त्योहार नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति और पारिवारिक जड़ों से जुड़ने का अवसर है।



हालांकि सभी लोग अपने गृह प्रदेश नहीं जा पाते। रोजगार, कारोबार और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण अनेक परिवार गुजरात में ही रहकर छठ पूजा मनाते हैं। ऐसे श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए सूरत में विभिन्न स्थानों पर छठ पूजा के घाट सजाए जा रहे हैं। बिहार विकास परिषद हर वर्ष छठव्रतियों के लिए घाटों की व्यवस्था करती है। परिषद के कार्यकर्ता श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूजा स्थलों को तैयार करने में जुटते हैं। घाटों की सजावट, साफ-सफाई और धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाएं इस बात का प्रमाण हैं कि प्रवासी समाज ने अपनी संस्कृति को नई भूमि पर भी पूरी जीवंतता के साथ सुरक्षित रखा है। गुजरात की धरती पर छठ का यह आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का सुंदर उदाहरण बन गया है।

छठ पूजा की सफलता में प्रशासन की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सूरत महानगरपालिका, पुलिस प्रशासन और संबंधित विभागों के सामने श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा सुविधाओं की बड़ी जिम्मेदारी रहती है। घाटों की समय रहते सफाई, जलाशयों के आसपास पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग सुविधाएं, अस्थायी शौचालय, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है।

जलाशयों में उतरने के लिए सुरक्षित व्यवस्था, फिसलन रोकने के उपाय, बैरिकेडिंग और गहरे पानी वाले स्थानों पर चेतावनी संकेत भी लगाए जाने चाहिए। संध्या अर्घ्य और प्रातःकालीन अर्घ्य के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में यातायात व्यवस्था सुचारु रखना पुलिस प्रशासन की विशेष जिम्मेदारी है। भीड़ नियंत्रण, वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग, महिला सुरक्षा और स्वयंसेवकों की तैनाती से श्रद्धालुओं को परेशानी से बचाया जा सकता है। प्रशासन को आयोजक संस्थाओं के साथ समन्वय बनाकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी श्रद्धालु को अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। साथ ही प्लास्टिक और कचरे से जलाशयों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए विशेष अभियान चलाना चाहिए। प्रशासन की तैयारियों का वास्तविक मूल्यांकन इसी बात से होगा कि छठव्रती कितनी सहजता, सुरक्षित वातावरण और सम्मान के साथ पूजा संपन्न कर पाते हैं।

बिहार विकास परिषद जैसी संस्थाओं का योगदान सराहनीय है। सामाजिक संस्थाएं जब अपने स्तर पर घाटों की व्यवस्था करती हैं तो प्रशासन का सहयोग भी अधिक प्रभावी बनता है। छठ पूजा किसी एक प्रदेश या भाषा के लोगों का पर्व नहीं रह गया है। इसमें गुजरात के स्थानीय नागरिक भी सहभागी बनते हैं। यही भारत की सांस्कृतिक विविधता की सबसे बड़ी ताकत है। अलग-अलग भाषाएं, वेशभूषाएं और परंपराएं होने के बावजूद आस्था और मानवीय संवेदना सभी को एक सूत्र में बांधती हैं। आज आवश्यकता है कि छठ पूजा को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव के रूप में भी देखा जाए। सूर्य और जल की उपासना हमें प्रकृति के महत्व का संदेश देती है।

स्वच्छ घाट, निर्मल जल और अनुशासित आयोजन ही इस पर्व की वास्तविक गरिमा को बनाए रख सकते हैं। सूरत में सजते छठ पूजा के घाट इस बात के प्रतीक हैं कि इंसान रोजगार के लिए अपना घर छोड़ सकता है, लेकिन अपनी संस्कृति और संस्कारों को नहीं छोड़ता। हजारों किलोमीटर दूर रहकर भी छठव्रती उसी श्रद्धा से सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं, जिस श्रद्धा से वे अपने गांव में करते आए हैं। उनकी आस्था, तपस्या और समर्पण को नमन करना चाहिए। प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों के सामूहिक सहयोग से यह महापर्व सूरत में भी हर्षोल्लास, शांति और गरिमा के साथ संपन्न हो, यही कामना है। छठ पूजा हमें सिखाती है कि सच्ची आस्था के लिए स्थान की दूरी बाधा नहीं बनती। जहां श्रद्धा है, वहीं संस्कृति है और जहां संस्कृति है, वहीं भारत की आत्मा जीवित है।

घटती प्रजनन दर और बदलती जनसंख्या नीति

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की जनसंख्या लंबे समय तक सार्वजनिक नीतियों, राजनीतिक विमर्श और आर्थिक नियोजन का प्रमुख विषय रही है। बढ़ती आबादी को संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी, गरीबी और पर्यावरणीय संकट का कारण मानते हुए जनसंख्या नियंत्रण की मांग समय-समय पर उठती रही है। किंतु आज भारत एक ऐसे जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां बढ़ती जनसंख्या के बजाय घटती प्रजनन दर, वृद्ध होती आबादी और क्षेत्रीय असमानताएं नई चुनौतियों के रूप में सामने आ रही हैं। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण कानूनों की आवश्यकता पर पुनर्विचार करना समय की मांग है।

भारत की कुल प्रजनन दर अर्थात टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) लगभग 1.9 तक पहुंच चुकी है, जो जनसंख्या के स्थिर प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से कम है। इसका अर्थ है कि औसतन एक महिला अपने जीवनकाल में इतनी संतानों को जन्म नहीं दे रही, जिससे अगली पीढ़ी में जनसंख्या का स्वाभाविक प्रतिस्थापन हो सके। हालांकि भारत की कुल आबादी अभी बढ़ रही है, लेकिन इसके पीछे बड़ी युवा आबादी और जनसंख्या की संरचनात्मक गति का योगदान है। भविष्य में प्रजनन दर में लगातार गिरावट जनसंख्या वृद्धि की गति को धीमा कर सकती है और अंततः आबादी के स्थिर होने अथवा घटने की स्थिति पैदा कर सकती है। प्रजनन दर में गिरावट कोई अचानक घटित घटना नहीं है। शिक्षा का विस्तार, महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार, गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता, शहरीकरण, विवाह की बढ़ती उम्र और परिवार के आकार के प्रति बदलती प्राथमिकताएं इसके प्रमुख कारण हैं। आज अधिकांश परिवार बच्चों की संख्या के बजाय उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को अधिक महत्व देने लगे हैं। आर्थिक अनिश्चितता, आवास की बढ़ती लागत और बच्चों की परवरिश पर होने वाला खर्च भी छोटे परिवारों की प्रवृत्ति को मजबूत कर रहा है।

भारत की जनसंख्या में दूसरा महत्वपूर्ण परिवर्तन वृद्धावस्था की ओर बढ़ना है। आने वाले वर्षों में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों का अनुपात तेजी से बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2036 तक वृद्धजन आबादी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास पहुंचने का अनुमान विभिन्न जनसंख्या अध्ययनों में व्यक्त किया गया है। यह परिवर्तन स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा और पारिवारिक देखभाल की नीतियों पर व्यापक प्रभाव डालेगा। जिस समाज में कभी बड़ी युवा आबादी को आर्थिक शक्ति माना जाता था, वहां भविष्य में वृद्धजनों की देखभाल और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण सार्वजनिक दायित्व बन जाएगा। जनसंख्या परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता है। दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से काफी नीचे पहुंच चुकी है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में अपेक्षाकृत अधिक प्रजनन दर देखने को मिलती है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, महिलाओं की रोजगार भागीदारी और सामाजिक-आर्थिक विकास में अंतर इन विविधताओं के प्रमुख कारण हैं। इसलिए पूरे देश के लिए एक समान जनसंख्या नीति लागू करना व्यावहारिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। जिन राज्यों में युवा आबादी अधिक है, वहां रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास की आवश्यकता अधिक होगी, जबकि कम प्रजनन दर वाले राज्यों में वृद्धजन कल्याण और भविष्य की श्रमशक्ति संबंधी चुनौतियां प्रमुख होंगी।

ऐसी परिस्थितियों में दो बच्चों की सीमा निर्धारित करने वाले कानूनों और दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को स्थानीय निकाय चुनावों अथवा सरकारी सुविधाओं से वंचित करने जैसे उपायों पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक है। जनसंख्या संबंधी नीतियां नागरिकों के अधिकारों, विशेषकर महिलाओं के प्रजनन अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अनुरूप होनी चाहिए। जब परिवार स्वाभाविक रूप से छोटे हो रहे हैं, तब दंडात्मक कानूनों के माध्यम से परिवार के आकार को नियंत्रित करने का प्रयास सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत परिणाम पैदा कर सकता है। इससे गरीब परिवारों, महिलाओं और वंचित समुदायों पर असमान दबाव पड़ने की आशंका भी रहती है। भारत के सामने वास्तविक चुनौती जनसंख्या को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि जनसंख्या की बदलती संरचना के अनुरूप सार्वजनिक नीतियों का निर्माण करना है। वृद्धजनों के लिए व्यापक पेंशन व्यवस्था, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, वृद्धावस्था देखभाल केंद्र तथा सामाजिक सुरक्षा का विस्तार आवश्यक है। साथ ही, कार्यशील आयु वर्ग की आबादी को उत्पादक बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा।

जनसांख्यिकीय लाभांश तभी वास्तविक आर्थिक लाभ में परिवर्तित हो सकता है, जब युवाओं को रोजगार और सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध हों। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी भी इस परिवर्तन का केंद्रीय विषय है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, समान वेतन, मातृत्व सुविधाएं और प्रजनन संबंधी निर्णयों में स्वतंत्रता प्रदान करना किसी भी प्रभावी जनसंख्या नीति की आधारशिला होनी चाहिए। परिवार नियोजन का उद्देश्य महिलाओं पर नियंत्रण स्थापित करना नहीं, बल्कि उन्हें सूचित और स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाना होना चाहिए। इसी प्रकार बच्चों की संख्या के आधार पर राजनीतिक अधिकारों अथवा सार्वजनिक अवसरों से वंचित करना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के व्यापक उद्देश्य को कमजोर कर सकता है। भारत को जनसंख्या नियंत्रण की पुरानी अवधारणा से आगे बढ़कर जनसंख्या प्रबंधन और मानव विकास की व्यापक नीति अपनानी चाहिए। इसमें क्षेत्रीय जनसांख्यिकीय जरूरतों के अनुसार नियोजन, प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, वृद्धजन कल्याण, श्रम बाजार की तैयारी और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जनसंख्या संबंधी नीतियों का मूल्यांकन केवल जन्म दर के आंकड़ों से नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक समानता के आधार पर किया जाना चाहिए। अंततः, जनसंख्या किसी राष्ट्र के लिए केवल संख्या नहीं, बल्कि उसकी मानवीय क्षमता और सामाजिक संरचना का प्रतिबिंब होती है।

भारत की घटती प्रजनन दर हमें यह अवसर प्रदान करती है कि हम दंडात्मक नियंत्रण के बजाय अधिकार-आधारित, वैज्ञानिक और संवेदनशील नीतियों की दिशा में आगे बढ़ें। भविष्य का भारत तभी सशक्त होगा, जब उसके युवा शिक्षित और रोजगारयुक्त होंगे, महिलाएं स्वतंत्र होंगी और वृद्धजन सम्मान तथा सुरक्षा के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। अब आवश्यकता जनसंख्या पर नियंत्रण की नहीं, बल्कि मानव क्षमता के विकास और बदलती जनसांख्यिकी के अनुरूप राष्ट्र निर्माण की है।

सफ़र से रोज़गार : घूमिए, सीखिए और कमाइए

डॉ. विजय गर्ग

सफ़र अब केवल मनोरंजन करने या नई जगहों को देखने का साधन नहीं रह गया है। आधुनिक युग में यह नए कौशल सीखने, विभिन्न संस्कृतियों को समझने और पैसे कमाने का अवसर भी बन सकता है। 'सफ़र से रोज़गार: घूमिए, सीखिए और कमाइए' का विचार लोगों को अपनी यात्राओं को ऐसे सार्थक अनुभवों में बदलने के लिए प्रेरित करता है, जहाँ रोमांच, शिक्षा और रोज़गार का सुंदर संगम हो।

पर्यटन से आगे की यात्रा

सामान्यतः पर्यटन में लोग प्रसिद्ध स्थानों को देखते हैं, तस्वीरें खींचते हैं और यादें लेकर घर लौट आते हैं। लेकिन उद्देश्यपूर्ण यात्रा इससे कहीं आगे जाती है। यह हमें स्थानीय परंपराओं को समझने, नए व्यवसायों के बारे में जानने, लोगों से बातचीत करने और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर देती है। हर नया स्थान एक कक्षा बन सकता है और हर यात्रा ऐसे सबक सिखा सकती है, जिन्हें केवल किताबों से पूरी तरह नहीं सीखा जा सकता।

यात्रा के दौरान कमाई के अवसर

डिजिटल तकनीक के विकास ने यात्रा करते हुए काम करने के अनेक नए रास्ते खोल दिए हैं। फ्रीलांसर लेखन, ग्राफिक डिजाइनिंग, प्रोग्रामिंग, अनुवाद और ऑनलाइन शिक्षण जैसे कार्य इंटरनेट की सहायता से अनेक स्थानों से कर सकते हैं। यात्रा ब्लॉगर, फोटोग्राफर, वीडियो निर्माता और डिजिटल सामग्री तैयार करने वाले लोग भी अपने काम से कमाई कर सकते हैं। हालाँकि, इन क्षेत्रों में नियमित आय स्थापित करने के लिए समय, मेहनत और धैर्य की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, पर्यटक गाइड के रूप में काम करना, भाषाएँ सिखाना, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेना, पर्यावरण संरक्षण परियोजनाओं में सहयोग देना तथा होटल और पर्यटन उद्योग में काम करना भी रोजगार के विकल्प हो सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप, शैक्षिक आदान-प्रदान और कौशल विकास कार्यक्रम सीखने के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के अवसर प्रदान करते हैं। हालाँकि, विदेशों में काम करने या स्वयंसेवा करने के लिए वीज़ा, वर्क परमिट और अन्य कानूनी नियमों का पालन करना आवश्यक हो सकता है।

वास्तविक अनुभवों से सीखना

यात्रा केवल पैसा कमाने तक सीमित नहीं है। अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों से मिलने से संवाद कौशल, सांस्कृतिक समझ, आत्मविश्वास और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता विकसित होती है। अनजान स्थानों पर जाने से समस्याओं का समाधान खोजने, स्वतंत्र रूप से सोचने और सही निर्णय लेने की योग्यता बढ़ती है।

विद्यार्थियों के लिए यात्रा इतिहास, भूगोल, विज्ञान, कृषि, व्यापार और पर्यावरण संरक्षण को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर है। खेतों, संग्रहालयों, अनुसंधान केंद्रों, उद्योगों और ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण पुस्तकों में पढ़ी गई बातों को जीवंत अनुभवों में बदल सकता है। युवा यात्रा के दौरान बजट बनाना, खर्चों की तुलना करना और धन का समझदारी से उपयोग करना भी सीख सकते हैं। ये कौशल जीवनभर उनके काम आते हैं।

जिम्मेदार और पर्यावरण-अनुकूल यात्रा

यात्रा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत लाभ कमाना नहीं होना चाहिए। जिम्मेदार यात्री स्थानीय परंपराओं का सम्मान करते हैं, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करते हैं, स्थानीय व्यवसायों को प्रोत्साहित करते हैं और ऐसी गतिविधियों से बचते हैं जिनसे समुदायों या वन्यजीवों को नुकसान पहुँचता हो। स्थानीय उत्पाद खरीदना, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन चुनना और सामुदायिक कल्याण की गतिविधियों में भाग लेना यात्रा को पर्यटकों तथा स्थानीय निवासियों, दोनों के लिए लाभदायक बना सकता है।

जोश जोश में कुछ भी बोल देना

लोग अक्सर सामने वाले को चुनौती दे जाते हैं।
जोश में और वह जोश इस कदर बड़ा
हुआ होता है चार लोगों के सामने कि उसे
पता ही नहीं चलता है कि मैं क्या गलत
बोल गया हूं पर जब वह व्यक्ति उन्ही गलतियों
पर अपने आप को सही ठहराने के लिए गलत
कदम उठाने लगता है फिर उसे अफसोस होता है,
शायद मैंने जो बोला वह गलत है इसीलिए कहा
जाता है किसी भी बात को बोलने से पहले दो बार
आवश्यक सूचना चाहिए।



करिश्मा गुज्जर (खारी)

यूरोप और भारत में जनांदोलन दे रहे चुनी हुई सत्ता को चुनौती

नन्तू बनर्जी

केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों के अधिकारियों का तर्क है कि मतदाता सूची से डुप्लिकेट, मृत और फर्जी मतदाताओं के नाम हटाकर डेटा को दुरुस्त करना जरूरी था। सरकार ने अब इसके जवाब में एक बड़ा अभियान छेड़ दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद हैदराबाद में एक पदयात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे एसआईआरके खिलाफ 'वोट बचाओ' अभियान चलाने के बजाय 'घुसपैठिए बचाओ' अभियान चला रहे हैं।

भारतीय लोकतंत्र में एक दिलचस्प घटनाक्रम हो रहा है। केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के बैनर तले राज्यों में रैलियां कर रही है। यह इंडिया ब्लॉक के रामलीला मैदान में चुनी हुई राष्ट्रीय सरकार के खिलाफ आयोजित बड़े प्रदर्शन के बाद किया जा रहा है। यूरोप के कई हिस्सों में भी जन विद्रोह चुनी हुई सरकारों को खतरे में डाल रहे हैं, जबकि चुनी हुई सरकारों को लग रहा है कि लोकतंत्र को खतरा पहुंचाने वाले लोग जनभावनाओं को हथियार बनाकर, समाजों को एकजुट करके और चुनावी जनादेश को चुनौती देकर लोकतंत्र को खतरे में डाल रहे हैं।

मध्यावधि जनांदोलनों से निपटना पूरी लोकतांत्रिक दुनिया में चुनी हुई सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है, क्योंकि राजनीतिक स्थिरता और वित्तीय-सह-ढांचागत ज़िम्मेदारी के बीच लगातार तनाव बढ़ रहा है। लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकारें आमतौर पर मध्यावधि सामाजिक बगावत को तुरंत बातचीत और नीतिगत सुधारों से संभालती हैं। इसके लिए सार्वजनकि व्यवस्था, लोकतंत्र, और लोगों की नाराज़गी की असली वजहों को दूर करने के बीच सावधानी से संतुलन बनाने की ज़रूरत होती है।

चुनी हुई सरकारें अक्सर यह भूल जाती हैं कि जन विरोध एक मौलिक अधिकार है और एक जीवंत लोकतंत्र का एक ज़रूरी हिस्सा, जिससे नागरिक अपनी असहमति जता सकते हैं, सरकारों को ज़िम्मेदार ठहरा सकते हैं, और नीतिगत सुधार ला सकते हैं। भारत और यूरोप दोनों में विपक्ष, सामाजिक संगठनों और छात्रों द्वारा चलाये जा रहे सरकार विरोधी प्रदर्शन दिखाते हैं कि जनभावना भड़काने वाले नेता एक से ही तरीकों पर भरोसा करते हैं - जैसे सरकार विरोधियों को दुश्मन मानना, राजनीतिक विरोधियों को सही विकल्प के तौर पर नहीं, बल्कि 'लोगों के दुश्मन' या देश के लिए खतरा बताना। सरकारें लोकतांत्रिक प्रक्रिया (जैसे नियमित चुनाव) के बाहरी आवरण को बचाने की कोशिश करती हैं, जबकि स्वायत्त संस्थानों, न्यायपालिका, और निगरानी रखने वाले निकायों को खत्म कर देती है। हाल ही में नई दिल्ली में विपक्ष के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों और अलग-अलग सिविल सोसाइटी गुटों के समर्थन ने संस्थागत आज़ादी, चुनाव आयोग और शासन के बारे में चल रही सार्वजनिक बहस को उजागर किया। ये आंदोलन गहरी जन चिंता और सक्रिय लोकतांत्रिक मज़बूती दोनों को दिखाते हैं। शांतिपूर्ण असहमति सत्ता पर एक ज़रूरी रोक का काम करती है, जिससे चुनाव के दिन से बहुत पहले ही हाशिए पर या अल्पसंख्यक आवाज़ें फ़ैसले लेने पर असर डाल सकती हैं।

दुनिया भर में चुनी हुई सरकारें जनता की नाराज़गी, युवाओं के सड़कों पर होने वाले प्रदर्शनों और बदलते चुनावी माहौल के कारण बहुत ज़्यादा दबाव का सामना कर रही हैं। कई लोकतंत्रों में नागरिकों को लगता है कि सत्ता एक ऐसे शासक वर्ग या बड़ी टेक कंपनियों के हाथों में सिमट गई है, जो आम लोगों से कटे हुए हैं। इसके चलते पारंपरिक संस्थाओं के प्रति लोगों में भारी निराशा पैदा हुई है। कई देशों में स्वतंत्र जांच और संतुलन, चुनावी नियम और नागरिक स्वतंत्रताएं दबाव में आ गई हैं। यूरोप में, फ्रांस, स्पेन, इटली, बेल्जियम, पुर्तगाल, ग्रीस और अल्बानिया जैसे देशों में युवाओं के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिन्होंने सरकारों को आर्थिक और सामाजिक शिकायतों पर ध्यान देने के लिए मजबूर किया है। ब्राजील और सर्बिया जैसे देशों में हाल ही में हुए महत्वपूर्ण चुनावों में मतदाताओं के बीच गहरा ध्रुवीकरण देखने को मिला, जहां लोग मौजूदा नेतृत्व और लोकतांत्रिक मानदंडों के या तो पक्ष में थे या उनके खिलाफ।

इस स्थिति का एक बड़ा उदाहरण भारत में देखने को मिला है, जहां चुनावी सूचियों में बदलाव को लेकर सरकार को जनता के भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। देश के चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों का 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) किया, जिसके तहत 13 करोड़ से अधिक नाम हटा दिए गए।

केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों के अधिकारियों का तर्क है कि मतदाता सूची से डुप्लिकेट, मृत और फर्जी मतदाताओं के नाम हटाकर डेटा को दुरुस्त करना जरूरी था। सरकार ने अब इसके जवाब में एक बड़ा अभियान छेड़ दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद हैदराबाद में एक पदयात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे एसआईआरके खिलाफ 'वोट बचाओ' अभियान चलाने के बजाय 'घुसपैठिए बचाओ' अभियान चला रहे हैं। कोलकाता में, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी ने एक बड़ी रैली निकाली, जिसमें उन्होंने चुनावी निष्पक्षता को लेकर विपक्ष के दावों को चुनौती दी। दुर्भाग्य से, चुनी हुई सरकारें अक्सर यह भूल जाती हैं कि लोकतंत्र में जनता का विरोध प्रदर्शन एक महत्वपूर्ण 'सेफ्टी वाल्व' और जवाबदेही तय करने का जरिया होता है। इसके जरिए नागरिक अपनी शिकायतें रख सकते हैं, सरकारी नीतियों को चुनौती दे सकते हैं और नियमित चुनावों के अलावा सार्वजनिक मामलों में अपनी भागीदारी निभा सकते हैं। कार्यकाल के बीच में होने वाले सामाजिक असंतोष से निपटने के लिए एक संतुलन बनाना जरूरी है-जिसमें कानून-व्यवस्था बनाए रखने, लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन करने और जनता की नाराजगी के मूल कारणों को दूर करने के बीच तालमेल हो। सरकार को जनता की शिकायतों को पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से स्वीकार करना चाहिए, और ऐसी उपेक्षापूर्ण बयानबाजी से बचना चाहिए जिससे तनाव और बढ़ सकता है।

सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सुरक्षा बल कानून-व्यवस्था बनाए रखें, लेकिन साथ ही मानवाधिकारों और शांतिपूर्ण विरोध के संवैधानिक अधिकार का भी पूरा सम्मान करें। अत्यधिक पुलिस बल का इस्तेमाल अक्सर उल्टा पड़ जाता है और बिखरे हुए विपक्ष को एकजुट कर देता है। सरकार को अपने फैसलों, वित्तीय बाधाओं या नीतियों की समय-सीमा के बारे में स्पष्ट और आसानी से उपलब्ध डेटा देकर गलत सूचनाओं का मुकाबला करना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा ओ.एस. पब्लिकेशन, बी-2542, नरेला, इंडस्ट्रियल एरिया, नार्थ वेस्ट दिल्ली-110040 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

नहाय-खाय के साथ बिहार में छठ महापर्व की शुरुआत

पटना (एजेंसी)



लोक आस्था के महापर्व छठ की शुरुआत शुक्रवार को 'नहाय-खाय' के साथ हो गई है। मुजफ्फरपुर से लेकर भागलपुर और रोहतास तक घाटों पर सुबह से ही व्रतियों की भीड़ उमड़ पड़ी। व्रतियों ने नदी में स्नान कर पूजा-अर्चना की और अरवा चावल, चने की दाल, लौकी की सब्जी और अगस्त के फूल का पकवान का प्रसाद ग्रहण किया। वहीं, छठ को लेकर रेलवे स्टेशनों पर भी खास तैयारियां दिखीं। भागलपुर जंक्शन पर मिथिला पेंटिंग के जरिए छठ की महिमा को उकेरा गया है, जबकि सासाराम जंक्शन पर लौटने वाले श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया है। मुजफ्फरपुर के सीढ़ी घाट में छठ व्रत करने वाली महिलाएं प्रातः से ही स्नान-पूजा करने के लिए बूढ़ी गंडक नदी पर पहुंचीं। सभी छठ व्रतियों ने बारी-बारी से नदी में स्नान और पूजा की। आश्रम घाट, लकड़ी ढाई घाट, चंदवारा घाट, दादर घाट सहित सैकड़ों घाटों पर महिलाओं ने स्नान कर पूजा-अर्चना की। सिकंदरपुर सीढ़ी घाट में नहाने आई सतपुड़ा नीम चौक की रहने वाली रेखा देवी, मोती झील की रहने वाली मधु देवी, पंखा टोली मोहल्ले की रहने वाली रिशु कुमारी और नीलम देवी ने बताया कि नदी में स्नान कर आज से छठ महापर्व शुरू कर रही हैं। आज के दिन अरवा चावल, चना की दाल, लौकी की सब्जी, सेंधा नमक से पकाया हुआ खाना खाएंगी। भागलपुर रेलवे स्टेशन पर मिथिला पेंटिंग के माध्यम से छठ व्रत की महिमा को दीवारों पर उकेरने वाली मधुबनी की अलखा देवी ने बताया कि छठ पर्व करने के क्या फायदे हैं, उसी का चित्रण भी किया है। अभी तक अलखा देवी ने भारत में कई रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक जगहों पर मिथिला पेंटिंग के माध्यम से चित्रण किया है। उन्होंने बताया कि मैसूर, भोपाल और दिल्ली के अलावा कई और शहरों में सरकार की मदद से मिथिला पेंटिंग को उकेरा है। वहीं, बिहार के भागलपुर में मालदा रेल डिवीजन के डीआरएम मनीष कुमार ने महापर्व छठ को लेकर भागलपुर रेलवे जंक्शन का निरीक्षण किया। छठ पर्व में घर आने वाले और वापस जाने वाले रेल यात्रियों को रेलवे जंक्शन पर सफर में आसानी हो, इसको लेकर होल्डिंग एरिया, विश्राम स्थल और इन-आउट गेट की व्यवस्था का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देशित भी किया। डीआरएम मनीष कुमार ने बताया कि महापर्व छठ को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है। भागलपुर में मंजूषा आर्ट की जगह मिथिला पेंटिंग के सवाल पर कहा कि अगले बरस मंजूषा पेंटिंग के माध्यम से भी सांस्कृतिक पहचान को दर्शाया जाएगा। पेंटिंग के माध्यम से रेल प्रशासन फिलहाल छठ पर्व की महिमा को दिखा रहा है, लेकिन आगे रेलवे में साफ-सफाई का संदेश भी चित्रित किया जाएगा। वहीं, आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ को लेकर रोहतास के बाजारों में रौनक है। दुकानदारों का कहना है कि छठ महापर्व को लेकर बाजारों में विभिन्न प्रदेशों से सभी तरह के फल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। फलों की सप्लाई में कमी नहीं होने के कारण कीमत में उछाल आने की संभावना अगले दिनों तक नहीं है। वर्तमान कीमत पर फिलहाल फलों की बिक्री बाजारों में जारी रहेगी। सासाराम जंक्शन पर सदर अस्पताल सासाराम द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है, जहां विभिन्न तरह की जांच निःशुल्क की जा रही है। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि छठ महापर्व को लेकर विभिन्न

छठ पर गंगा नदी में जाने और नाव चलाने पर रोक, 13 से 16 नवंबर तक लागू रहेगा प्रतिबंध



बक्सर (एजेंसी) छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए बक्सर जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। प्रशासन ने गंगा नदी में लोगों के प्रवेश और नावों के परिचालन पर पूरी तरह रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध 13 नवंबर से 16 नवंबर 2026 तक बक्सर अनुमंडल क्षेत्र के सभी गंगा घाटों पर लागू रहेगा। इस दौरान आम लोगों के साथ निजी नावों के चलने पर भी रोक रहेगी। हालांकि, प्रशासनिक कार्यों और सुरक्षा व्यवस्था के लिए अधिकृत नावों और मोटरबोट को छूट दी गई है।

जिला प्रशासन के अनुसार, छठ महापर्व के अवसर पर बक्सर और चौसा अंचल के अंतर्गत गंगा नदी के अलग-अलग घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में नदी में डूबने और अन्य अप्रिय घटनाओं का खतरा बना रहता है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने गंगा नदी में प्रवेश और नावों के परिचालन पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गंगा घाटों पर बैरिकेडिंग सहित अन्य जरूरी इंतजाम भी किए गए हैं, ताकि पर्व के दौरान किसी तरह की दुर्घटना से बचा जा सके।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा, विधि-व्यवस्था और अन्य सरकारी कार्यों के लिए चिन्हित और अधिकृत नावों तथा मोटरबोट के परिचालन की अनुमति रहेगी। इनके अलावा किसी भी तरह की निजी या अन्य नाव चलाने पर रोक रहेगी। जिला प्रशासन या अनुमंडल प्रशासन से पहले अनुमति लिए बिना नाव चलाते हुए पकड़े जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

महापर्व छठ शुरू, वाराणसी में गंगा में श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी और की पूजा

वाराणसी (एजेंसी)



सूर्य उपासना के महापर्व छठ की शुरुआत 'नहाय-खाय' अनुष्ठान के साथ शुरू हो गई। धर्मनगरी काशी के गंगा घाटों पर छठ महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह देखने को मिली। इस दौरान अस्सी घाट पर व्रती महिलाओं ने गंगा में पवित्र डुबकी लगाई। गंगा स्नान के बाद महिलाएं छठ वेदियों का पूजन किया।

बिहार, मध्य प्रदेश समेत देश के विभिन्न हिस्सों से भी छठ पूजा के लिए श्रद्धालु वाराणसी पहुंचे हैं। कठिन व्रतों में से एक माने जाने वाले छठ महापर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। छठ महापर्व को लेकर नगर निगम की ओर से घाटों पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए गंगा में गहरे पानी में न जाने की चेतावनी वाले बोर्ड भी लगाए गए हैं। बिहार से काशी आई रेणु कुशवाहा ने कहा, आज नहाय-खाय है। इसके तहत हम लोग गंगा में स्नान करने के बाद घाट पर वेदी बनाकर पूजा करेंगे। इसके साथ ही चावल, लौकी की सब्जी और चने की दाल का प्रसाद ग्रहण करेंगे। मैं कई सालों से काशी में आकर छठ पूजा करती हूं। अर्चना जायसवाल ने कहा, सबसे पहले छठ मइया के लिए घाट और वेदी बनाते हैं।

नहाय-खाय के साथ आज से छठ पूजा की शुरुआत हुई है। मैंने सबसे पहले गंगा में स्नान किया और उसके बाद वेदी का पूजन किया। घर जाकर लौकी की सब्जी, चने की दाल और चावल पकाएंगे। इस भोजन को प्रसाद के रूप में ग्रहण कर व्रत की शुरुआत करूंगी। बता दें कि चार दिनों तक चलने वाली छठ पूजा के पहले दिन साफ-सफाई, पवित्रता और श्रद्धा से जुड़ी रस्में निभाई जाती हैं। श्रद्धालु सुबह जल्दी उठते हैं और नदियों, तालाबों या अपने घरों में पवित्र स्नान करते हैं (कई लोग नहाने के पानी में गंगाजल भी मिलाते हैं)।

बहराइच और मथुरा में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद शातिर अपराधियों को किया गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)



उत्तर प्रदेश के बहराइच और मथुरा में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों जिलों में हुई मुठभेड़ों में दो अपराधी गोली लगने से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बहराइच के पयागपुर में गुरुवार देर रात पुलिस की जवाबी फायरिंग में हिस्ट्रीशीटर बब्बू के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बब्बू बबया गांव का निवासी है और उसके खिलाफ बहराइच समेत अन्य जनपदों के विभिन्न थानों में दो दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि पयागपुर रेलवे अंडरपास पुलिया के आगे एक संदिग्ध व्यक्ति चोरी की वारदात को अंजाम देने या चोरी का सामान बेचने की फिराक में है। इस सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो आरोपी बब्बू ने रेलवे ट्रैक की आड़ लेकर पुलिस पर जानलेवा फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया।

आरोपी के कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा, खोखा और दो जिंदा कारतूस, सोने-चांदी के जेवरात एवं 14 हजार 500 रुपए नकद बरामद हुए हैं। बताया जा रहा है कि हिस्ट्रीशीटर बब्बू के ऊपर लखनऊ, फैजाबाद और गोंडा सहित अन्य जनपदों में 25 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मथुरा की थाना जैत पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बुधवार रात एक मुठभेड़ के बाद दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ सदर वरुण सिंह के अनुसार, 10 नवंबर को राधाकुंड रोड (छटीकरा) और मघेरा मंदिर (राल) के पास बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने ऑटो और ई-रिक्शा में बैठी दो महिलाओं के पर्स छीन लिए थे। इस संबंध में थाना जैत में दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही थी। सीओ के अनुसार, 12 नवंबर की रात करीब 10:30 बजे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दोनों लुटेरे किसी नई वारदात को अंजाम देने की फिराक में राधाकुंड-गोवर्धन रोड पर घूम रहे हैं। पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी करते हुए गोवर्धन-राल रोड पर महर्षि स्कूल से आगे नगला पिसावा मोड़ के पास चेकिंग शुरू की।

हरदोई में शराब सेल्समैन से लूटपाट करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, मुठभेड़ में एक को लगी गोली

हरदोई (एजेंसी)



उत्तर प्रदेश के हरदोई के कोतवाली देहात क्षेत्र में शराब सेल्समैन से हुई लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुठभेड़ के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक आरोपी बृजेंद्र के दाहिने पैर में गोली लगी है। घायल आरोपी को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, 12-13 नवंबर की रात पोखरी तिराहे के पास चेकिंग के दौरान बाइक सवार संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। इसी दौरान एक आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी। पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में कोतवाली देहात क्षेत्र के रिक्खा पुरवा निवासी बृजेंद्र, अंकुर और गंगेव और हरियावां क्षेत्र के उतरा निवासी शोभित शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटे गए 1 लाख 46 हजार रुपये, वारदात में इस्तेमाल बाइक, अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। सीओ सिटी अजीत चौहान ने बताया कि 8 नवंबर की रात करीब साढ़े दस बजे आशानगर निवासी शराब सेल्समैन राजेश कुमार सिंह हरियावां स्थित देशी शराब का ठेका बंद कर कैंटीन संचालक सुरजीत कुमार के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। पोखरी तिराहे से करीब 100 मीटर आगे पिहानी चुंगी की तरफ पहुंचते ही बाइक सवार बदमाशों ने पैसों से भरा बैग लूट लिया था। बैग में करीब ढाई से तीन लाख रुपये बताए गए थे।

संभल में शुरू हुई 24 कोसीय परिक्रमा, ब्रह्म मुहूर्त में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

संभल (एजेंसी)



उत्तर प्रदेश के संभल में 24 कोसीय तीर्थ परिक्रमा शुक्रवार रात एक बजे से शुरू हो गई। रात से ही श्रद्धालुओं का बंश गोपाल तीर्थ मंदिर पहुंचना शुरू हो गया था। वहीं, ब्रह्म मुहूर्त होते ही भक्तों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ। श्रद्धालुओं ने सबसे पहले बंश गोपाल तीर्थ मंदिर में दर्शन-पूजन किया और इसके बाद परिक्रमा शुरू कर दी। सुबह होते-होते परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दिखाई देने लगी। इस 24 कोसीय परिक्रमा का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। परिक्रमा के अंतर्गत संभल के 68 तीर्थ और 19 कूप भी आते हैं। मान्यता के अनुसार, इस परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं को इन तीर्थों और कूपों की परिक्रमा करने का अवसर मिलता है। यही वजह है कि संभल के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस धार्मिक आयोजन में पहुंच रहे हैं। बंश गोपाल तीर्थ के महंत स्वामी भगवत प्रिय ने बताया कि यहां श्रद्धालुओं का जबरदस्त रेला है। रात को करीब एक बजे स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने रात से ही परिक्रमा शुरू कर दी थी। रात करीब दो बजे से ही भक्तों की भीड़ बढ़ने लगी थी और उस समय श्रद्धालुओं की संख्या लगभग 40 से 45 हजार तक पहुंच गई थी।

उन्होंने बताया कि वे स्वयं स्नान के बाद सुबह 4 बजे पूजा पाठ करते हैं और इसके बाद परिक्रमा के लिए भक्तों को रवाना किया जाता है। लोगों की जबरदस्त भीड़ है और इसलिए रात में ही परिक्रमा शुरू हो गई। अब तक करीब एक लाख श्रद्धालु 24 कोसीय परिक्रमा में शामिल हो चुके हैं। रात को 2 बजे से 4 बजे के बीच ही 40 से 45 हजार लोग यात्रा के लिए रवाना हो चुके थे।

CAPITAL FINVEST LIMITED

Regd. Office: 1002, Arunachal, 19 Barakhamba Road, New Delhi - 110001, Phone : 23718585, 23315050, Website : www.capfin.in, Email : capital89@yahoo.com
CIN : L67120DL1983PLCO16575

UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED SEPTEMBER 30, 2026

Pursuant to Regulation 47 of the SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirement) Regulations, 2015.

The Unaudited Financial Results for the quarter ended September 30, 2026 ("Financial Results") have been reviewed by the Audited Committee and approved by the Board of Directors of the Company at their respective meetings held on Friday, 13 November, 2026.

The said Financial Results alongwith the Auditors Report have been posted on the Company's webpage at **https://www.capfin.in** and on the website of the Stock Exchange **www.msei.in** and can be accessed by scanning the QR Code provided below.

Date: 13-11-2026
Place: New Delhi

For Capital Finvest Limited
Sd/-
RATTAN SINGHANIA
WHOLETIME DIRECTOR
DIN : 00147685

छठ के नहाय-खाय पर हादसा : गंगा में डूबे दो किशोर, एक को बचाया, दूसरे की तलाश जारी

मुंगेर (एजेंसी)

बिहार के मुंगेर में छठ महापर्व के पहले दिन नहाय-खाय पर बड़ा हादसा हो गया। सदर प्रखंड के शंकरपुर गंगा घाट पर शुक्रवार को स्नान करने के दौरान दो किशोर गहरे पानी में डूबने लगे। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए एक किशोर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि दूसरा किशोर गंगा की तेज धारा में बह गया। लापता किशोर की पहचान 16 वर्षीय रमन कुमार के रूप में हुई है।

घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस, गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ की शुरुआत नहाय-खाय के साथ हुई। पर्व को लेकर जिले के अलग-अलग गंगा घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुट रही थी। इसी दौरान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शंकरपुर गंगा घाट पर दो किशोर स्नान करने पहुंचे थे। दोनों धीरे-धीरे गहरे पानी की ओर चले गए। इसी बीच पानी की गहराई और तेज बहाव के कारण उनका संतुलन बिगड़ गया और वे डूबने लगे। दोनों को डूबता देख घाट पर मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाया और उन्हें बचाने के लिए गंगा में उतर गए। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने एक किशोर को बाहर निकाल लिया, लेकिन दूसरा तेज धारा में बह गया।

गंगा स्नान करने जा रहे परिवार की कार खड़े ट्रक से टकराई, पति-पत्नी समेत तीन की मौत

कटिहार (एजेंसी)



लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों के बीच बिहार के कटिहार जिले में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। मनिहारी फोरलेन पर एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े बालू से लदे ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में दंपती समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, कटिहार के बैगना निवासी एक परिवार अपने कुछ पड़ोसियों के साथ छठ महापर्व के पावन अवसर पर गंगा स्नान करने के लिए मनिहारी जा रहा था। रास्ते में मनिहारी फोरलेन पर चालक ने तेज रफ्तार कार पर नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सीधे बालू से लदे खड़े ट्रक में जा घुसी।

इस भीषण हादसे में शंभू सिंह (68), उषा सिंह (64), पत्नी शंभू सिंह और मंजू रानी शाह की मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां दो लोगों की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। त्योहार के माहौल में एक साथ तीन लोगों की मौत की खबर से पूरे बैगना इलाके में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बैगना निवासी सुबोध सिंह ने बताया, पूरा परिवार सुबह गंगा स्नान के लिए निकला था। परिवार में पति-पत्नी, पड़ोसी, एक पोता, पोती, नाती और ड्राइवर शामिल थे। हम लोग सोए हुए थे, तभी हादसे की खबर मिली। खबर मिलते ही हम लोग भागते हुए मनिहारी की ओर जा रहे थे।

भोजपुर में हवलदार के बेटे की हत्या के बाद बवाल, आक्रोशित लोगों ने आगजनी कर किया हाईवे जाम

पटना (एजेंसी) बिहार के भोजपुर जिले के गजराजगंज ओपी के बामपाली के समीप हवलदार हरेंद्र सिंह के बेटे ऋतिक सिंह की सरेशाम गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। घटना से गुस्साए परिजन और स्थानीय लोग शव के साथ सड़क पर उतर आए। लोगों ने नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा मोड़ के समीप आरा-बक्सर हाईवे को जाम कर जमकर हंगामा किया। इसके चलते हाईवे पर वाहनों का परिचालन पूरी तरह बाधित हो गया और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सड़क जाम और हंगामे की सूचना मिलते ही नवादा थानाध्यक्ष रजनीकांत, दारोगा अविनाश, चंदेश्वर समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझाने और जाम हटवाने का प्रयास किया। हालांकि, प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। उनकी मांग थी कि हत्याकांड में शामिल आरोपितों का एनकाउंटर किया जाए और मौके पर एसपी को बुलाया जाए। पुलिस पदाधिकारी लगातार लोगों को समझाने-बुझाने में जुटे रहे। इस दौरान काफी देर तक अफरातफरी की स्थिति बनी रही। करीब चार घंटे तक रोषपूर्वक नारेबाजी की गई। बता दें कि गुरुवार की शाम गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बामपाली के समीप हथियारबंद बदमाशों ने हवलदार के पुत्र समेत दो युवकों को गोली मार दी थी।

एल्प्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड

पंजीकृत एवं कॉर्पोरेट कार्यालयः ए–115, सेक्टर–136, महर्षि नगर, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत – 201304
सीआईएनः L51109UP1972PLC003544, वेबसाइटः www.alpsindustries.com
दूरभाषः +91–9871692058, ईमेलः ajaygupta@alpsindustries.com

30 सितंबर, 2026 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए स्टैंडअलोन और समेकित अनअंकेक्षित वित्तीय परिणामों का सार

(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही	समाप्त तिमाही	पिछले 3 महीन में समाप्त हुए वर्तमान साल	पिछले 3 महीने चालू वर्ष में समाप्त हो गए	पिछले वर्ष समाप्त हुए इसी 3 महीने	पिछले वर्ष समाप्त हुए इसी 3 महीने	चालू वर्ष में समाप्त ईयर टू डेट आंकड़े	चालू वर्ष में समाप्त ईयर टू डेट आंकड़े	पूर्व वर्ष में समाप्त ईयर टू डेट आंकड़े	पूर्व वर्ष में समाप्त ईयर टू डेट आंकड़े	वित्तीय वर्ष समाप्त	वित्तीय वर्ष समाप्त
		30.09.2026	30.09.2026	30.06.2026	30.06.2026	30.09.2025	30.09.2025	30.09.2026	30.09.2026	30.09.2025	30.09.2025	31.03.2026	31.03.2026
		स्टैंडअलोन	समेकित	स्टैंडअलोन	समेकित	स्टैंडअलोन	समेकित	स्टैंडअलोन	समेकित	स्टैंडअलोन	समेकित	स्टैंडअलोन	समेकित
		अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अंकेक्षित	अंकेक्षित
1	प्रचालनों से कुल आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) या (कर, असाधारण और/या असामान्य मद से पूर्व)	(14.87)	(14.87)	(19.20)	(19.22)	(1,709.71)	(1,709.81)	(34.07)	(34.09)	(3,403.08)	(3,403.25)	(5,137.54)	(5,140.71)
3	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पूर्व (असाधारण और/या असामान्य मद के पश्चात्)	(14.87)	(14.87)	(19.20)	(19.22)	(1,709.71)	(1,709.81)	(34.07)	(34.09)	(3,403.08)	(3,403.25)	2,599.61	2,596.44
4	अवधि के लिए कर पश्चात शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असामान्य मद के पश्चात्)	(14.87)	(14.87)	(19.20)	(19.22)	(1,709.71)	(1,709.81)	(34.07)	(34.09)	(3,403.08)	(3,403.25)	2,599.61	2,596.44
5	अवधि के लिए कुल व्यापक आया [इसमें लाभ/(हानि) की अवधि (टैक्स के आदि) के लिए अन्य व्यापक आय (टैक्स के बाद)]	(14.87)	(14.87)	(19.20)	(19.22)	(1,709.71)	(1,709.81)	(34.07)	(34.09)	(3,403.08)	(3,403.25)	2,678.11	2,674.94
6	चुकाई गई इक्विटी शेयर पूंजी – अंकित मूल्य रु. 1/– प्रति शेयर (18–दिसंबर 2025 तक रु. 10/– प्रति शेयर)	769.13	769.13	769.13	769.13	3,911.41	3,911.41	769.13	769.13	3,911.41	3,911.41	769.13	769.13
7	रिज़र्व (पुनर्मूल्यांकन रिज़र्व को छोड़कर) जैसा कि 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष की ऑडिट की गई बैलेंस शीट में दिखाया गया है।											(1,566.19)	(1,536.17)
8	प्रति शेयर आय मूल और डाइल्यूटेडः	(0.02)	(0.02)	(0.02)	(0.02)	(4.37)	(4.03)	(0.04)	(0.04)	(8.70)	(8.70)	5.38	5.37

टिप्पणियाँः
उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के पास दायर किए गए 30 सितंबर, 2026 को समाप्त तिमाही और अवधि के लिए तिमाही अनअंकेक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार है। कंपनी के वित्तीय परिणामों का विस्तृत प्रारूप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (बीएसई) (www.bseindia.com), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) (www.nseindia.com) और कंपनी (www.alpsindustries.com) की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

दिनांकः 13 नवम्बर, 2026
स्थानः नौएडा

एल्प्स इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड की ओर से
(निशांत शर्मा)
कार्यकारी निदेशक
डीआईएनः 00079281

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने दिया इस्तीफा, चीनी जासूस से संबंधों के आरोपों के बीच फैसला

न्यूयॉर्क (एजेंसी)

बताया गया है कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने बुधवार को कई घंटों तक बैठक की, जिसके बाद कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस को अंतरिम प्रमुख नियुक्त किया गया। रिपोर्टों के अनुसार, हुआंग ने स्वीकार किया है कि उनका एक ऐसी महिला के साथ संबंध था, जिस पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह है



एआई हार्डवेयर कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन आरोपों के बाद सामने आया है, जिनमें दावा किया गया है कि जिस महिला के साथ उनका संबंध था, वह चीन की खुफिया एजेंसी से जुड़ी हो सकती है। बताया गया है कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने बुधवार को कई घंटों तक बैठक की, जिसके बाद कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस को अंतरिम प्रमुख नियुक्त किया गया।

रिपोर्टों के अनुसार, हुआंग ने स्वीकार किया है कि उनका एक ऐसी महिला के साथ संबंध था, जिस पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह है। कुछ स्वतंत्र मीडिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि वह अपनी कंपनी में काम करने वाली एक अन्य महिला के साथ भी संबंधों में थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मामला एलिस ले हुआंग (जिनका जेनसन हुआंग से कोई पारिवारिक संबंध नहीं बताया गया है) से जुड़ा है और इसने तकनीक, व्यापार और सरकार के उच्च स्तर तक हलचल पैदा कर दी है। कहा जा रहा है कि इस विवाद का असर अमेरिकी राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, तकनीकी क्षेत्र और शेयर बाजार तक पहुंचा है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के लिए चीन जाने की तैयारी कर रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होनी है।

चीन ने एलिस हुआंग के किसी भी खुफिया संबंध से इनकार किया है। जेनसन हुआंग को ट्रंप के करीबी उद्योगपतियों में माना जाता रहा है। उन्होंने चीन को उन्नत चिप्स बेचने पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील देने की पैरवी की थी। उनका तर्क था कि पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से एआई क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले ने ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेदों को उजागर किया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जासूसी आरोपों की जानकारी ट्रंप को दी थी, जबकि वाणिज्य मंत्री हावर्ड लटनिक जैसे कुछ लोग चीन को चिप्स बेचने के पक्ष में बताए गए। सोमवार को ट्रंप ने हुआंग का बचाव करते हुए कहा था, मैं जेनसन को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। मुझे लगता है कि वह बेहद सम्मानित व्यक्ति हैं। बताया गया है कि हुआंग ने ट्रंप से कहा था कि उन्हें एलिस हुआंग और चीन की जासूसी व्यवस्था के बीच किसी संभावित संबंध की जानकारी नहीं थी। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब रिपब्लिकन पार्टी को मध्यावधि चुनावों में झटका लगा है। पार्टी ने हुआंग को प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के समक्ष बंद कमरे में ब्रीफिंग देने के लिए बुलाया है और पेश न होने पर समन जारी करने की चेतावनी भी दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, अगले वर्ष यदि कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रभाव बढ़ता है तो हुआंग और उनके घरेलू एवं विदेशी संपर्कों की और गहन जांच हो सकती है। जेनसन हुआंग ने एनवीडिया को गेमिंग कंप्यूटरों के लिए चिप बनाने वाली कंपनी से एआई क्रांति की प्रमुख ताकत में बदल दिया था। आज अधिकांश प्रमुख पश्चिमी एआई कंपनियां एनवीडिया की चिप्स पर निर्भर हैं। नई अंतरिम प्रमुख कोलेट क्रेस के सामने बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि हुआंग कंपनी पर काफी मजबूत नियंत्रण रखते थे और उन्होंने कोई स्पष्ट उत्तराधिकार व्यवस्था नहीं बनाई थी।

कंपनी के लगभग 60 विभाग प्रमुख सीधे उन्हें रिपोर्ट करते थे। ऐसे में नई नेतृत्व टीम को न केवल कंपनी पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखना होगा, बल्कि नवाचार की गति भी बरकरार रखनी होगी। सीएफओ के रूप में क्रेस पहले से कंपनी के लगभग सभी विभागों से जुड़ी रही हैं और कंपनी के कामकाज की व्यापक समझ रखती हैं। खबरों के प्रभाव के बीच एनवीडिया का शेयर 6 अक्टूबर के 243.37 डॉलर के उच्चतम स्तर से गिरकर गुरुवार को 160.98 डॉलर पर पहुंच गया। यह लगभग 35 प्रतिशत की गिरावट है।

अमेरिका का 'बर्थ टूरिज्म' पर बड़ा एक्शन, 6,000 से अधिक वीजा किए रद्द

वाशिंगटन (एजेंसी)



अमेरिकी विदेश विभाग ने 6,000 से अधिक लोगों के वीजा रद्द कर दिए हैं, जिन्होंने 'बर्थ टूरिज्म' (बच्चे को जन्म देने के लिए विदेश यात्रा) में हिस्सा लिया था या इसे बढ़ावा दिया था। विभाग ने एक्स पोस्ट में बताया, 'डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट की 'बर्थ टूरिज्म प्रिवेंशन टास्क फोर्स' ने अब ऐसे विदेशियों के 6,000 से अधिक वीजा रद्द कर दिए हैं, जो 'बर्थ टूरिज्म' (बच्चे को जन्म देने के लिए विदेश यात्रा) में शामिल थे या जिन्होंने इसमें मदद की थी।' विभाग ने कहा, 'हम इस गैरकानूनी काम में शामिल हर व्यक्ति की पहचान कर रहे हैं और उन्हें जवाबदेह ठहरा रहे हैं।

यह 31 अक्टूबर को विभाग द्वारा बताए गए 4,000 से अधिक वीजा रद्द किए जाने के आंकड़ों से ज्यादा है। दोनों ही आंकड़ों से यह पता नहीं चलता कि वास्तव में कितनी बढ़ोतरी हुई है। अक्टूबर में जारी जानकारी में विभाग ने बताया था कि 'बर्थ टूरिज्म' के लिए रद्द किए गए वीजा में से 700 से अधिक चीनी नागरिकों के थे। ताजा बयान में यह नहीं बताया गया है कि इनमें किस देश के कितने नागरिक शामिल हैं। विभाग की घोषणा वीजा रद्द करने से जुड़ी है। वीजा रद्द होने का मतलब यह नहीं है कि उस व्यक्ति को देश से निकाला गया है या वह किसी अपराध का दोषी है। विदेश विभाग (स्टेट डिपार्टमेंट) के एक नियम के अनुसार, 'अमेरिका में बच्चे को जन्म देकर उसके लिए अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के मुख्य उद्देश्य से की गई यात्रा, 'बी नॉन-इमिग्रेंट वीजा' जारी करने का वैध आधार नहीं है। इस नियम के तहत, यदि कांसुलर अधिकारी को यह मानने का कारण मिलता है कि आवेदिका अपनी यात्रा के दौरान बच्चे को जन्म देगी, तो उस उद्देश्य को लेकर एक ऐसी धारणा बन जाती है, जिसे आवेदिका गलत साबित कर सकती है। इससे अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने के तरीके में कोई बदलाव नहीं आया है।

भारत और इटली वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग करेंगे मजबूत



नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत और इटली मिलकर वैज्ञानिक सहयोग के जरिए संबंधों को मजबूत बनाने, आपसी समझ को बढ़ावा देने और सतत आर्थिक एवं सामाजिक विकास में योगदान देंगे। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह और इटली गणराज्य की विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान मंत्री अन्ना मारिया बर्निनी ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) के कार्यान्वयन को लेकर करीबी संवाद बनाए रखने और दोनों देशों के वैज्ञानिक एवं नवाचार तंत्र के बीच व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

इसका उद्देश्य दोनों देशों को ठोस और दीर्घकालिक लाभ पहुंचाना है। दोनों नेताओं ने इटली और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे और फलदायी वैज्ञानिक एवं तकनीकी संबंधों को जिक्र किया। ये संबंध विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को लेकर दोनों देशों की सरकारों के बीच 28 नवंबर, 2003 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित समझौते पर आधारित हैं। मंत्रियों ने वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए 11 अप्रैल, 2025 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने इस साझा ढांचे को ठोस संयुक्त पहलों में बदलने के लिए जारी प्रयासों का भी स्वागत किया। विशेष रूप से, उन्होंने समझौता ज्ञापन के तहत सहयोग गतिविधियों के कार्यान्वयन और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए जिम्मेदार इटली-भारत संयुक्त समिति की भूमिका को स्वीकार किया। यह समिति वर्ष 2003 के द्विपक्षीय समझौते के अनुरूप भी काम कर रही है। उन्होंने 2027 में अनुसंधान प्रस्तावों के लिए संयुक्त आह्वान शुरू करने की दिशा में समिति के जारी प्रयासों को रेखांकित किया।

भूटान के त्राशिगांग में एक प्रमुख राजमार्ग पर भारत की मदद से बने दो पुलों का उद्घाटन किया गया

थिम्पू (एजेंसी)



भूटान के डिपार्टमेंट ऑफ सरफेस ट्रांसपोर्ट (डीएसटी) ने बताया कि भूटान में गुरुवार को सिमतोखा-त्राशिगांग प्राइमरी नेशनल हाईवे (पीएनएच) पर बने रेविद्रांग और रोलोंग पुलों का उद्घाटन किया गया। इन पुलों का निर्माण भारत सरकार की फंडिंग से किया गया है।

भूटान के बुनियादी ढांचा और परिवहन मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले डीएसटी ने एक पोस्ट में बताया, सिमतोखा-त्राशीगांग प्राइमरी नेशनल हाईवे (पीएनएच) पर हाल ही में बने रेविद्रांग और रोलोंग पुलों का उद्घाटन 12 नवंबर 2026 को महामहिम श्री संदीप आर्य और त्राशीगांग जोंगखाग प्रशासन के दाशो जोंगदा द्वारा आधिकारिक तौर पर किया गया। भूटान में भारत के राजदूत संदीप आर्य ने त्राशीगांग के दाशो जोंगदा के साथ मिलकर इन पुलों का उद्घाटन किया। डीएसटी ने बताया, 'इन दोनों पुलों का निर्माण मेसर्स शंबाला इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कुल 76 मिलियन नुलत्रुम की लागत से किया गया है।

इसके लिए भारत सरकार ने 'प्रोजेक्ट टाइड असिस्टेंस' के तहत फंड उपलब्ध कराया था। विभाग के अनुसार, पुराने रोलोंग पुल की भार सहने की क्षमता और चौड़ाई कम थी, जिससे ट्रैफिक की आवाजाही में, खासकर भारी वाहनों के लिए, रुकावट आती थी। वहीं, रेविद्रांग पुल के ऊपरी ढांचे में बड़ी दरारें आने के कारण उसे बंद कर दिया गया था, जिससे अक्सर ट्रैफिक बाधित होता था और आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही पर भी असर पड़ता था। विभाग ने कहा, 'इन दोनों पुलों के पूरा होने से थिम्पू-त्राशीगांग पीएनएच पर सड़क संपर्क में काफी सुधार होने की उम्मीद है। इससे ट्रैफिक की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित होगी, वस्तुओं और सेवाओं के परिवहन में सुधार होगा, और हाईवे के किनारे रहने वाले समुदायों के लिए आवागमन अधिक विश्वसनीय हो जाएगा।

विभाग ने इस विकास कार्य को, भारत सरकार के निरंतर सहयोग से, भूटान के सड़क परिवहन नेटवर्क की मजबूती और कार्यक्षमता को बेहतर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बताया है। पिछले महीने भूटान के मोंगर जिले में भारत सरकार के सहयोग से 15 'हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स' (एचआईसीडीपी) का उद्घाटन किया गया था। इनमें 65 किलोमीटर से अधिक सड़कें, 10 किलोमीटर सिंचाई नहरें और दो पुल शामिल थे।

थिंपू में भारतीय दूतावास ने कहा था, 'एचआईसीडीपी, स्थानीय समुदायों द्वारा उनकी जरूरतों और आकांक्षाओं के आधार पर पहचाने गए प्रोजेक्ट्स के लिए भारत के समर्थन का एक अनूठा मॉडल है। सितंबर में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की भूटान यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय विकास सहयोग में हुई प्रगति की सराहना की।

सीएम सतीशन और सुकुमारन नायर के बीच सुलझा मतभेद, पांच वर्ष बाद एनएसएस हेडक्वार्टर जाएंगे मुख्यमंत्री

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)

मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और नायर सर्विस सोसाइटी (एनएसएस) के जनरल सेक्रेटरी जी. सुकुमारन नायर के बीच मतभेद सुलझ गया है। नायर ने शुक्रवार को पुष्टि की कि केरल के कोट्टायम जिले के पेरुन्ना में संगठन के हेडक्वार्टर में मुख्यमंत्री के दौरे से पहले दोनों के बीच मुद्दे सुलझ गए हैं। सुकुमारन नायर ने मीडिया को बताया, 'चीजें साफ हो गई हैं, और उन्होंने (सीएम सतीशन) मुझे बताया कि उन्होंने कुछ समय पहले जो कहा था, वह क्यों कहा था। मैंने उनसे फोन पर बात की थी।

अब कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि सब कुछ साफ हो गया है।' मतभेदों को दूर करने के बाद मुख्यमंत्री सतीशन अब चंगनास्सेरी के पेरुन्ना में एनएसएस हेडक्वार्टर जाएंगे। पांच वर्ष बाद सीएम का वहां दौरा होने वाला है। मुख्यमंत्री 2 जनवरी, 2027 को एनएसएस के फाउंडर मन्नथु पद्मनाभन की 150वीं जयंती के जश्न का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री के. मुरलीधरन भी शामिल होंगे। सतीशन का यह दौरा इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि मुख्यमंत्री बनने के बाद सार्वजनिक रूप से हुई बातों से उनके और एनएसएस नेता के बीच रिश्तों में खटास आ गई थी। दोनों के बीच विवाद तब शुरू हुआ, जब सतीशन ने कहा था कि उनका कम्युनिटी लीडर्स का फेवर लेने का कोई इरादा नहीं है। इस बात से सुकुमारन नायर नाराज हो गए थे। उन्होंने जवाब में कहा था कि सतीशन खुद चुनाव से पहले उनसे मिलने आए थे। सतीशन के ऑफिस संभालने के बाद भी दोनों ने पब्लिक में किसी सुलह का इशारा नहीं दिया था। हालांकि, मुख्यमंत्री और एनएसएस नेतृत्व के बीच बातचीत से अब दौरे का रास्ता साफ हो गया है।

पंजाब चुनाव 2027 : तरन तारन जिले की चारों सीटों पर आम आदमी पार्टी का कब्जा

चंडीगढ़ (एजेंसी)



पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां अपनी तैयारियों में जुट गई हैं। अगर तरन तारन जिले को देखें तो यहां की विधानसभा सीटों की स्थिति को देखने के लिए पिछले चुनाव के नतीजों पर नजर डालना आवश्यक है। तरन तारन जिले में विधानसभा की चार सीटें हैं, तरन तारन, खेमकरण, पट्टी और श्री खडूर साहिब। 2022 के चुनाव में इस जिले की सभी विधानसभा सीटों पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों की जीत हुई थी। यहां 'आप' के अलावा किसी अन्य पार्टी के प्रत्याशी को जीत नसीब नहीं हुई थी। तरन तारन : वर्ष 2025 में इस सीट पर उपचुनाव हुए थे।

उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी हरमीत सिंह संधू ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने शिरोमणि अकाली दल की प्रत्याशी सुखविंदर कौर रंधावा को 12,091 मतों के बड़े अंतर से हराया था। हरमीत सिंह संधू को 42,649 वोट मिले थे। दूसरे नंबर पर रही शिरोमणि अकाली दल की उम्मीदवार सुखविंदर कौर रंधावा को 30,558 मत मिले थे। तीसरे नंबर पर आजाद पार्टी के मनदीप सिंह थे, उनको 19,620 वोट मिले थे। खेमकरण : 2022 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सरवन सिंह धुन विजयी हुए थे। उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार विरसा सिंह वल्टोहा को 11,882 वोटों के अंतर से मात दी थी। सरवन सिंह धुन को 64,541 मत मिले थे।

दूसरे नंबर पर रहे विरसा सिंह वल्टोहा को 52,659 वोट मिले थे। तीसरे नंबर पर कांग्रेस के उम्मीदवार सुखपाल सिंह भुल्लर थे, उनको 28,859 वोट मिले थे। पट्टी : पिछले चुनाव में यहां से लालजीत सिंह भुल्लर की जीत हुई थी। उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के प्रत्याशी आदेश प्रताप सिंह कैरों को 10,999 मतों के अंतर से हराया था। लालजीत सिंह भुल्लर को 57,323 मत मिले थे। दूसरे नंबर पर रहे आदेश प्रताप सिंह कैरों को 46,324 वोट मिले थे। तीसरे नंबर पर कांग्रेस प्रत्याशी हरमिंदर सिंह थे, उनको 33,009 वोट मिले थे। श्री खडूर साहिब : 2022 के विधानसभा चुनाव में इस सीट से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी मनजिंदर सिंह लालपुरा की जीत हुई थी। उन्होंने कांग्रेस के रमनजीत सिंह साहोता सिक्की को 16,491 वोटों के अंतर से हराया था। 'आप' के मनजिंदर सिंह लालपुरा को 55,756 मत मिले थे। दूसरे नंबर पर रहे कांग्रेस के रमनजीत सिंह साहोता को 39,265 वोट मिले थे। तीसरे नंबर पर शिरोमणि अकाली दल के रणजीत सिंह ब्रह्मपुरा थे, उनको 38,532 मत मिले थे।

महाराष्ट्र : मंत्री संजय शिरसाट के छत्रपति संभाजीनगर स्थित घर पर हमले की कोशिश, 3 आरोपी गिरफ्तार

संभाजीनगर (एजेंसी)

महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट के गोलवाड़ी इलाके में स्थित घर के बाहर गुरुवार देर रात हमले की कोशिश की गई। बताया जा रहा है कि नशे में धुत तीन युवकों ने हंगामा किया, शराब की बोतलें तोड़ीं और सुरक्षाकर्मियों से भी भिड़ गए। सतारा पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ शुरू कर दी है।

इस घटना के बारे में खुद मंत्री शिरसाट ने रात में एक वीडियो जारी कर इसकी जानकारी दी थी। शिरसाट के मुताबिक, यह घटना रात 10:30 बजे से 11:00 बजे के बीच हुई। नशे में धुत तीन युवकों ने बंगले के पास हंगामा किया। जब सुरक्षा कर्मियों ने बीच-बचाव किया, तो कहा जा रहा है कि युवकों ने घर की तरफ बोतलें फेंकीं। शिरसाट ने कहा कि पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। उनके मुताबिक, पहले तो लड़के अपनी गाड़ी से गिर गए, फिर मौके से चले गए और फिर मेन गेट पर लौट आए। जब गार्ड्स ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो संदिग्धों ने कथित तौर पर उन्हें धमकाने की कोशिश की। शुरुआती रिपोर्ट्स में बताया गया था कि दो सिक्योरिटी गार्ड्स घायल हुए थे, लेकिन बाद में मंत्री शिरसाट ने साफ किया कि किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई, हालांकि उनकी पार्टी के एक कार्यकर्ता को हल्की चोट आई और उसे मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए भेजा गया। मंत्री के घर पर यह दूसरी ऐसी घटना है। इससे पहले, एक लड़का चाकू लेकर उनके घर तक पहुंच गया था। इस घटना के बाद, मंत्री शिरसाट ने स्थानीय पुलिस पर गहरी नाराजगी जताई और शहर में कानून-व्यवस्था की हालत पर सवाल उठाए।

जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी, गुलमर्ग-सोनमर्ग में बिछी सफेद चादर



श्रीनगर (एजेंसी)

ताजा बर्फबारी के कारण कई पहाड़ी दर्रे भी बंद हो गए हैं। ताजा बर्फबारी के कारण घाटी से बाहर जाने वाले पहाड़ी दर्रे बंद हो गए हैं

जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले 24 घंटों के दौरान जबरदस्त बर्फबारी हुई है। गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट और सोनमर्ग के पर्यटक स्थल पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है, जिससे वहां आए पर्यटक काफी उत्साहित हैं। हालांकि, ताजा बर्फबारी के कारण कई पहाड़ी दर्रे भी बंद हो गए हैं। ताजा बर्फबारी के कारण घाटी से बाहर जाने वाले पहाड़ी दर्रे बंद हो गए हैं। श्रीनगर-लेह हाईवे, मुगल रोड पर पीर की गली, किश्तवाड़ जिले की ओर जाने वाला सिंथन दर्रा, गुरेज सीमावर्ती कस्बे की ओर जाने वाला राजदान दर्रा और तंगधार व करनाह की ओर जाने वाला साधना टॉप बर्फ से ढक गए हैं और वहां आवागमन मुश्किल हो गया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान साधना टॉप और राजदान टॉप पर एक फीट से अधिक बर्फ जमी है, जबकि सिंथन टॉप पर 8-10 इंच, जेड गली और मरगन टॉप पर 6-8 इंच, पीर की गली पर 5-8 इंच, जोजिला पास पर 5-6 इंच, बालटाल-पहलगाम में 4-6 इंच, गुरेज घाटी में 3-5 इंच और सोनमर्ग में 2-3 इंच बर्फबारी हुई है। वहीं, गुलमर्ग में महज 1 सेंटीमीटर बर्फ जमा हो गई है। इसी बीच, पिछले 24 घंटों में घाटी में जमकर बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने आज दोपहर तक खराब मौसम रहने का अनुमान जताया है। आज तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक की भारी गिरावट आने का अनुमान है। इस बारिश और बर्फबारी से घाटी के झरनों, कुओं, झीलों और अन्य जल स्रोतों में पानी का स्तर बढ़ने और बहाव बेहतर होने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे अपनी कटी हुई फसल को सुरक्षित जगह पर रख लें। ऊंचाई वाले इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी के कारण पहाड़ी दर्रों और पहाड़ी सड़कों पर यातायात बाधित हो सकता है। यात्रियों, ट्रांसपोर्टरों और पर्यटकों को सलाह दी गई है कि वे राज्य यातायात विभाग की मौसम संबंधी सलाह का पालन करें।

उज्जैन : भस्म आरती में बाबा महाकाल का भांग से हुआ शृंगार, चांदी का मुकुट और मुंडमाला धारण कर दिए दिव्य दर्शन

उज्जैन (एजेंसी)



विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि शुक्रवार की सुबह 4 बजे हुई भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन-अभिषेक कर आकर्षक शृंगार किया गया। शृंगार के बाद बाबा महाकाल को भस्म रमाई गई। इस दौरान भक्तों ने इन दिव्य दर्शनों का लाभ लिया और जय श्री महाकाल के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंज उठा। मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल का विशेष शृंगार किया गया।

इस दौरान भस्म आरती के लिए सुबह 4 बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत को अर्पित कर किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और मुंड माला धारण करवाई गई। शुक्रवार के शृंगार की विशेष बात यह रही कि बाबा महाकाल का भांग से शृंगार किया गया। इस दौरान बाबा महाकाल को गले में रुद्राक्ष की माला पहनाकर भस्म रमाई गई। बाबा महाकाल की भस्म आरती में बड़ी संख्या मे श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पठानकोट में 91.75 एकड़ साझा जमीन घोटाले में पूर्व एडीसी कुलदीप सिंह गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)



प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जालंधर जोनल कार्यालय ने पठानकोट के पूर्व अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) कुलदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने सीमावर्ती जिले में 91.75 एकड़ 'साझा जमीन' (गांव की सामूहिक भूमि) का अवैध रूप से हस्तांतरण किया और इसके बाद वहां अवैध खनन गतिविधियां हुईं। यह गिरफ्तारी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच में एक अहम मोड़ मानी जा रही है। यह जांच पंजाब के पठानकोट जिले की गोल ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले भटियां गांव में 734 कनाल और एक मरला 'शामलात' जमीन को निजी व्यक्तियों के नाम हस्तांतरित करने के मामले से जुड़ी है। यह मामला 27 फरवरी, 2023 का है। उस समय कुलदीप सिंह जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी (डीडीपीओ) के पद पर तैनात थे और उनके पास एडीसी (विकास) का अतिरिक्त प्रभार भी था। आरोप है कि सरकारी सेवा से रिटायर होने से ठीक एक दिन पहले उन्होंने जमीन से जुड़े एक लंबित विवाद में निजी व्यक्तियों के पक्ष में आदेश पारित कर दिया था। इसके बाद राज्य सतर्कता ब्यूरो ने कुलदीप सिंह और अन्य आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

इसमें आरोप लगाया गया कि पंचायत की इस कीमती जमीन के हस्तांतरण में भारी अनियमितताएं बरती गई थीं। यह जमीन रावी नदी के किनारे और पाकिस्तान के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित है। माना जाता है कि इस जमीन में रेत और अन्य खनिजों का प्रचुर भंडार है। ईडी ने सतर्कता ब्यूरो की एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। बाद में इस जांच का दायरा बढ़ाते हुए विवादित जमीन से रेत और नदी तल की सामग्री के अवैध खनन और परिवहन की भी पड़ताल की गई। जुलाई 2026 में ईडी ने इस मामले से जुड़ी 16 जगहों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान एजेंसी ने 1.75 करोड़ रुपए की नगदी जब्त की और लगभग 91.34 लाख रुपए वाले बैंक खातों को फ्रीज कर दिया। इसके अलावा अवैध खनन गतिविधियों से जुड़े कई अहम दस्तावेज भी बरामद किए गए। इन तलाशी अभियानों में स्टोन-क्रशिंग फर्मों से जुड़ी जगहों को शामिल किया गया, जिनमें 'श्री साई स्टोन क्रशर एंड स्क्रीनर' और 'शिव शंकर स्टोन क्रशर' के साथ-साथ उनसे जुड़ी अन्य इकाइयां और प्रबंधन से जुड़े लोग शामिल हैं। जांच का मुख्य केंद्र खनन संचालकों और विवादित जमीन के हस्तांतरण से जुड़े व्यक्तियों के बीच हुए वित्तीय लेन-देन पर भी रहा है।

न्यूजीलैंड ने 244 रनों से जीता चौथा वनडे, मैट हेनरी की बॉलिंग के सामने महज 89 रनों पर सिमटी भारतीय टीम

7 बल्लेबाज नहीं छू सके दहाई का आंकड़ा, रनों के लिहाज से टीम इंडिया की वनडे में दूसरी सबसे बड़ी हार

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)

न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चौथे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया को 244 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पूरी टीम मात्र 26.4 ओवर में 89 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही।

मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। 9 के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद भारतीय पारी को ईशान किशन और अक्षर पटेल ने थोड़ी देर तक संभालने का प्रयास किया। हालांकि, ईशान 53 गेंदों का सामना करने के बाद 27 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अक्षर 36 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने।

आकिब नबी और कुलदीप यादव भी सस्ते में आउट हुए। नमन धीर 24 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने। गुरनूर बरार 2 रन ही बना सके। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में मैट हेनरी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 9.4 ओवर में महज 27 रन देकर 6 विकेट लिए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 3 विकेट अपने नाम किए। इससे पहले, न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मेजबानों की तरफ से विल यंग ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 108 गेंदों में 125 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, टिम सीफर्ट ने 58 रनों का योगदान दिया। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी निभाई। निक केली (4 रन) और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (8 रन) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। फिन एलन ने 30 गेंदों में 41 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में मिचेल सैंटनर ने 24 और क्रिस्टियन क्लार्क ने 22 रनों की अहम पारी खेली। वहीं, काइल जेमिसन 19 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत की तरफ से गेंदबाजी में आकिब नबी, गुरनूर बरार और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट चटकाए।

न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को चौथे वनडे मुकाबले में 244 रनों से हराया। 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम सिर्फ 89 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारतीय टीम की यह रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी हार है। वहीं, न्यूजीलैंड ने 50 ओवर के फॉर्मेट में अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में विराट कोहली, रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले आउट किया। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी 5 रन बनाकर काइल जेमिसन का शिकार बने। ईशान किशन ने 27 रनों का योगदान दिया, जबकि अक्षर पटेल 21 रन बनाकर आउट हुए। नमन धीर ने 21 रन बनाए। आकिब नबी (5 रन) और कुलदीप यादव (1 रन) सस्ते में आउट हुए।



न्यूजीलैंड की इस धमाकेदार जीत के सूत्रधार मैट हेनरी रहे, जिन्होंने 9.4 ओवर में 27 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 31 रन देकर 3 विकेट निकाले। हेनरी वनडे क्रिकेट में भारत के खिलाफ एक मैच में छह विकेट लेने वाले महज दूसरे कीवी गेंदबाज हैं। उनसे पहले यह कारनामा शेन बॉन्ड ने साल 2005 में किया था। इससे पहले, न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की तरफ से विल यंग ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। यंग ने 108 गेंदों का सामना करते हुए 125 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, टिम सीफर्ट ने 48 गेंदों में 58 रन बनाए। फिन एलन ने 30 गेंदों में 41 रन बनाए, जबकि मिचेल सैंटनर ने 24 रनों का योगदान दिया। भारत की ओर से गेंदबाजी में अक्षर पटेल, आकिब नबी और गुरनूर बरार ने दो-दो विकेट निकाले। अर्शदीप और नमन धीर ने एक-एक विकेट हासिल किया।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में हरमनप्रीत ने अपने वैक्स स्टैच्यू का किया अनावरण

जयपुर (एजेंसी)



राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में महिला क्रिकेट जगत की सितारा खिलाड़ी और भारत वुमन क्रिकेट की पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर के वैक्स स्टैच्यू का भव्य अनावरण हरमनप्रीत कौर ने अपने हाथों से किया। जैसे ही पर्दा हटा, पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। यह वैक्स स्टैच्यू अब स्थायी रूप से हिस्टोरिका - स्टेप इनटू हिस्ट्री, नाहरगढ़ फोर्ट (पूर्व में जयपुर वैक्स म्यूजियम) में लगाया जाएगा, जहां पर्यटक इसे देख सकेंगे। हरमनप्रीत कौर दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर हैं, जिनका वैक्स स्टैच्यू बनाया गया है।

हिस्टोरिका के फाउंडर अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि म्यूजियम की टीम ने इसके लिए पहले हरमन के पास जाकर उनका विस्तृत माप, फोटो और वीडियो लिए थे, ताकि उनका जीवंत, लाइफ-साइज वैक्स रूप तैयार किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान जयपुर क्रिकेट के नन्हे-मुन्ने और युवा क्रिकेट खिलाड़ियों बल्ला उठाकर गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जिसे देखकर हरमनप्रीत भावुक हो गईं। उन्होंने बच्चों से बात की, उनके साथ फोटो खिंचवाई और उन्हें मेहनत और सपनों पर भरोसा रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में हरमनप्रीत कौर के जीवन पर एक भावनात्मक फिल्म भी दिखाई गई जिसमें मोगा के छोटे से शहर से लेकर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी तक, संघर्ष, मेहनत और 2025 में भारत को पहला महिला वनडे विश्व कप जिताने तक की कहानी को दर्शाया गया।

हरमनप्रीत ने 2025 में भारतीय टीम को पहला महिला वनडे विश्व कप खिताब दिलाया था। इसी ऐतिहासिक जीत को इस वैक्स स्टैच्यू के माध्यम से हमेशा के लिए अमर किया गया है। कार्यक्रम में हिस्टोरिका नाम से जुड़े एक विशालकाय सैनिक स्टैच्यू का अनावरण भी किया गया जो हिस्टोरिका की नई पहचान, शौर्य और राजस्थान की वीर परंपरा का प्रतीक है। अनावरण के दौरान यह प्रतिमा आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही और मौजूद दर्शकों ने इसे खूब सराहा। यह सैनिक स्टैच्यू अब हिस्टोरिका, नाहरगढ़ फोर्ट में पर्यटकों के देखने के लिए लगाया जाएगा। हिस्टोरिका म्यूजियम में पहले से ही महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली के वैक्स स्टैच्यू लगे हुए हैं।

अब हरमनप्रीत कौर के जुड़ने के बाद म्यूजियम में दो विश्व कप विजेता कप्तानों - पुरुष क्रिकेट से एमएस धोनी और महिला क्रिकेट से हरमनप्रीत कौर - के स्टैच्यू एक साथ दिखेंगे। म्यूजियम में इसके अलावा कल्पना चावला, साइना नेहवाल, मदर टेरेसा, राजमाता गायत्री देवी और झांसी की रानी जैसी प्रेरणादायी महिलाओं के स्टैच्यू पहले से मौजूद हैं। म्यूजियम के फाउंडर अनूप श्रीवास्तव ने कहा - 'हमारा उद्देश्य वैक्स स्टैच्यू के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना है, खासतौर से लड़कियों को खेल जगत के लिए प्रेरित करना है।

'यह पूरी तरह से बकवास है', 'सैंडपेपर विवाद' पर ख्वाजा के दावों को लेकर खुलकर बोले पैट कमिंस

नई दिल्ली (एजेंसी)



ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने 'सैंडपेपर विवाद' को लेकर किए गए उस्मान ख्वाजा के दावों को पूरी तरह से गलत और बकवास बताया है। ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में खुलासा किया कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में हुई बॉल-टैम्परिंग की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। ख्वाजा की बुक में लगाए गए आरोपों का जवाब देने के लिए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने सिडनी के 'क्रिकेट सेंट्रल' में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

उन्होंने 68 मिनट तक चली इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में ख्वाजा के दावों का कड़ा खंडन किया कि पूरी टीम को पता था कि गेंद के साथ छेड़छाड़ करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कमिंस ने कहा, जब वह कहते हैं कि हम सब जानते थे और अगर उनका मतलब यह है कि हमें पता था कि मैदान पर सैंडपेपर ले जाया जा रहा है, तो वह 100 प्रतिशत गलत हैं। मैंने पिछले 8 वर्षों से लगातार यही कहा है कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मगर मुझे लगता है कि उस्मान ने जो बातें कही हैं, वे उससे कहीं ज्यादा गंभीर हैं। कमिंस ने आगे कहा, उनका कहना है कि मैं और बाकी लोग सैंडपेपर से बॉल-टैम्परिंग करने की साजिश के मुख्य सूत्रधार थे। यह पूरी तरह से बकवास है।

मुझे इस हफ्ते तब बहुत बड़ा झटका लगा, जब पता चला कि उस्मान ने खुद माना है कि उन्होंने बैनक्राफ्ट से कहा था कि सैंडपेपर का इस्तेमाल करते समय सावधान रहना। यह वह उस्मान नहीं हैं, जिन्हें मैं जानता हूं। यह वह उस्मान नहीं हैं, जिनके बारे में मैं सोचता हूं, या जो उस टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने पिछले 8 वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट संस्कृति को फिर से बनाने में मदद की है। उस्मान मेरे दोस्त हैं, लेकिन दोस्त एक-दूसरे की जिंदगी और साख के साथ इतनी लापरवाही नहीं बरतते। कमिंस ने कहा, अपनी किताब में उस्मान ने मेरे और कई अन्य लोगों के जीवन को, और मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को भी, काफी हल्के में लिया है।

मैं कहानी बताने के उनके अधिकार का पूरा समर्थन करता हूं। मुझे खुशी है कि उन्हें ऐसा करने की आजादी महसूस होती है, लेकिन हम जो कहते और करते हैं, उसके लिए हमें जवाबदेह भी होना चाहिए। गलत तरीकों के इस्तेमाल को लेकर कोई मास्टर प्लान नहीं था।

'सैंडपेपर विवाद' पर कमिंस की प्रेस कॉन्फ्रेंस का लैंगर ने किया समर्थन, बोले- फिर से संकट में है ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट

पर्थ (एजेंसी)



ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हेड कोच जस्टिन लैंगर ने 'सैंडपेपर-गेट' मामले पर मीडिया के सामने आकर अपना पक्ष रखने के पैट कमिंस के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा टेस्ट कप्तान का अपना पक्ष रखना सही था, खासकर ऐसे समय में जब 2018 के इस स्कैंडल ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में फिर से तूफान खड़ा कर दिया है।

उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' के आने के बाद केप टाउन बॉल-टैम्परिंग मामले पर फिर से सवाल उठने लगे हैं, जिसके चलते शुक्रवार को कमिंस ने एक लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कमिंस ने इस बात से इनकार किया कि उन्हें बॉल पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पहले से कोई जानकारी थी या वह इसमें शामिल थे। उन्होंने ख्वाजा के इस दावे को भी पूरी तरह से बकवास करार दिया कि केप टाउन में क्या हो रहा था, इसके बारे में पूरे ऑस्ट्रेलियाई खेमे को पता था। लैंगर ने कहा कि कमिंस ने बिल्कुल सही कदम उठाया है।

'सेन रेडियो' पर लैंगर ने कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने वही किया जो उन्हें करना चाहिए था। वह मजबूत लीडर हैं। वह आगे आकर जिम्मेदारी लेते हैं। जाहिर है, यह फिर से एक संकट की स्थिति बन गई है। 8 साल पहले भी एक बड़ा संकट आया था और जिस तरह से इस हफ्ते यह मामला फिर से खुला है, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट एक बार फिर संकट में है।

ऐसे में कप्तान ने जिम्मेदारी संभाली। गुरुवार को मिचेल मार्श भी आगे आए। उम्मीद है कि इससे एक लकीर खींच जाएगी, क्योंकि हमें अब आगे बढ़ना है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर ने कहा कि यह विवाद सिर्फ इसमें शामिल खिलाड़ियों को ही नहीं, बल्कि पूरे क्रिकेट समुदाय को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में बहुत से लोग आहत हो रहे हैं, इसमें आम जनता भी शामिल है।

जब मैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की बात करता हूं, तो इसमें जनता, फैंस, खिलाड़ी और इससे जुड़े सभी लोग शामिल हैं, चाहे वे पूर्व खिलाड़ी हों, मौजूदा खिलाड़ी हों या भविष्य के खिलाड़ी। लैंगर ने आगे कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि कमिंस के बोलने से स्थिति शांत होगी या नहीं। उन्होंने कहा, हमें कहीं न कहीं एक लक्ष्मण रेखा खींचनी ही होगी। बहुत से लोग आहत हो रहे हैं, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को नुकसान पहुंच रहा है और यह प्रेस कॉन्फ्रेंस इसमें मदद करेगी या स्थिति को और बिगाड़ेगी, यह तो वक्त ही बताएगा।

विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी : पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया, थाईलैंड के खिलाफ नीदरलैंड्स ने दर्ज की जीत



नई दिल्ली (एजेंसी)

आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 में पाकिस्तान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया। वहीं, नीदरलैंड्स ने थाईलैंड के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज की। पापुआ न्यू गिनी को स्कॉटलैंड के खिलाफ 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अजमान के करवां क्रिकेट ग्राउंड में बांग्लादेश की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 108 रन ही बना सकी। टीम की ओर से निगार सुल्ताना ने सर्वाधिक 27 रन बनाए, जबकि शोर्ना अख्तर 20 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहीं। पाकिस्तान की ओर से गेंदबाजी में तूबा हसन ने सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए, जबकि नाशरा संधू ने 2 विकेट अपने नाम किए। मोमिना रियासत और उम्म-ए-हानी ने एक-एक विकेट चटकाया।

पाकिस्तान ने 109 रनों के लक्ष्य को 15.5 ओवर में सिर्फ 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम की ओर से सदाफ शमास ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 37 रनों का योगदान दिया। वहीं, कप्तान मुनीबा अली 31 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि आयशा जफर भी 18 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 27 रन बनाकर नाबाद रहीं। शवाल जुल्फिकार ने 6 गेंदों में 16 रन बनाए। टूर्नामेंट के चौथे मैच में थाईलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 2 विकेट गंवाकर 136 रन बनाए।

ऐतिहासिक मुकाबले में हैरी केन का शानदार प्रदर्शन, जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड

नई दिल्ली (एजेंसी)



हैरी केन ने अपने ऐतिहासिक मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को जीत दिलाई। इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 2-1 से हराकर यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। केन इंग्लैंड की पुरुष टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने अपना 126वां मैच खेला और देश के लिए अपना 92वां गोल करके इस मौके का शानदार जश्न मनाया।

उन्होंने 64वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल किया। मॉर्गन रोजर्स ने पहले हाफ में इंग्लैंड को बढ़त दिलाई थी। हालांकि, एक घंटे का खेल पूरा होने से ठीक पहले पेटार सुसिक ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके पांच मिनट बाद केन ने पेनल्टी के जरिए गोल दागते हुए अपना 126वां मैच यादगार बना दिया। बाद में क्रोएशिया ने बराबरी करने की कोशिश की, लेकिन निकोला व्लासिक का शॉट थोड़ा बाहर चला गया, और एंटे बुदिमिर के शॉट को जैरेल क्वानसा ने एक अहम ब्लॉक के जरिए रोक दिया। मैच से पहले हैरी केन आकर्षण का केंद्र रहे। उन्होंने वेम्बली स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को अपनी बैलन डी'ओर ट्रॉफी दिखाई, जिसके बाद दर्शकों ने खड़े होकर इस ऐतिहासिक पल का सम्मान किया।

33 वर्षीय केन को पूर्व रिकॉर्डधारक पीटर शिल्टन और प्रिंस ऑफ वेल्स ने एक यादगार शर्ट भेंट की। इसके अलावा, क्रोएशियाई फुटबॉल महासंघ की ओर से लुका मोड्रिक (जो स्वयं पूर्व बैलन डी'ओर विजेता हैं) ने उन्हें एक विशेष उपहार दिया। वहीं दूसरी ओर, इजमिर में बेल्जियम ने तुर्की के खिलाफ 2-1 से शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

सर्गेन यालचिन के कोच के रूप में अपने पहले मैच में मेजबान टीम ने ऊर्जा के साथ शुरुआत की। उन्हें इसका इनाम तब मिला, जब अर्दा गुलेर ने 20वें मिनट में एक बेहतरीन फ्री-किक से गोल कर दिया। हालांकि, दस मिनट बाद ही वे पिछड़ गए और फिर वापसी नहीं कर सके। पिछले मैच में दो गोल करने वाले केविन डी ब्रुने ने जेरेमी डोकू के शानदार क्रॉस पर गोल दागा। इसके बाद चार्ल्स डी केटेलेरे ने मैक्सिम डी कुइपर के पास (कट-बैक) को गोल में बदलकर बेल्जियम की जीत पक्की कर दी। अब बेल्जियम का आखिरी मैच इटली के खिलाफ होगा।

फिलीपींस ओपन : मनीला में चार भारतीय खिलाड़ी टी-38 स्थान पर, गिल और अमन भी शामिल

मनीला (एजेंसी) फिलीपींस ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले राउंड के बाद, मनीला साउथवुड्स गोल्फ एंड कंट्री क्लब के मास्टर्स कोर्स पर खेल रहे सात भारतीय खिलाड़ियों में से चार ने 1-ओवर 71 का स्कोर किया। फिलीपीन स्पोर्ट्स कमीशन की तरफ से आयोजित इस टूर्नामेंट के पहले राउंड के बाद, ये चारों खिलाड़ी संयुक्त रूप से 38वें (टी-38) स्थान पर हैं। इस समूह में साल 2027 के लिए पहले ही अपना एशियन टूर कार्ड चुके पुखराज सिंह गिल के अलावा, अमन राज, शौर्य भट्टाचार्य और अनिर्बान लाहिड़ी शामिल हैं। 2025 में आईजीपीएल 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' के विजेता गिल ने एशियन डेवलपमेंट टूर के 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' में टॉप-10 में जगह बनाकर 2027 के एशियन टूर के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

गिल ने पांच बर्डी लगाई, जबकि उनके खाते में दो बोगी और दो डबल बोगी रहीं। वहीं, लाहिड़ी ने दो बर्डी और तीन बोगी लगाई, और अमन राज ने तीन बर्डी के साथ चार बोगी लगाई। शौर्य ने एक बर्डी और दो बोगी लगाई। अन्य तीन भारतीयों में, राशिद खान और अजीतेश संधू ने 3-ओवर 73 का स्कोर किया और वे संयुक्त रूप से 69वें (टी-69) स्थान पर रहे। वहीं, एएसपी चौरसिया के लिए दिन काफी मुश्किल रहा; उन्होंने 6-ओवर 76 का स्कोर किया और वे संयुक्त रूप से 107वें (टी-107) स्थान पर रहे। न्यूजीलैंड के निक वोक ने जैक निकलॉस की ओर से डिजाइन किए गए मास्टर्स कोर्स की चुनौती को बखूबी संभाला। उन्होंने 5-अंडर-पार 65 का स्कोर करके बढ़त बना ली है। पहले राउंड के शानदार प्रदर्शन के दम पर वे थाईलैंड के नोप्पारात पानिचफोल से आगे निकल गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज ने मचाया कहर : डेब्यू वनडे में 6 विकेट लेकर बनाया रिकॉर्ड

सिडनी (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का आगाज शुक्रवार को पर्थ में हुआ। पहले मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के 21 वर्षीय तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन ने अपने प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में घरेलू मैदान पर अपना पहला मैच खेल रहे बियर्डमैन ने इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने 24 रन देकर छह विकेट झटके और वनडे डेब्यू पर किसी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अपने नाम कर लिया। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड की पूरी टीम 34 ओवर से पहले ही 131 रन पर सिमट गई। बियर्डमैन ने अपने वनडे करियर का पहला विकेट आठवीं गेंद पर हासिल किया और फिर इंग्लैंड के शीर्ष क्रम को संभलने का मौका नहीं दिया। उन्होंने कप्तान हैरी ब्रूक, जो रूट, जॉर्डन कॉक्स, सैम करन, लियाम डॉसन और जोफ्रा आर्चर को पवेलियन भेजा। खास बात यह रही कि उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को उनके 200वें वनडे मुकाबले में आउट किया।

बियर्डमैन ने 24 रन देकर झटके छह विकेट

पर्थ में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। मेजबान टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने अपने युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन को प्लेइंग इलेवन में मौका दिया। बियर्डमैन के लिए यह घरेलू मैदान पर पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था। उन्होंने इस मौके को यादगार बना दिया। बियर्डमैन ने आठवीं गेंद पर अपना पहला वनडे विकेट हासिल किया। उन्होंने 12वें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को एक रन के निजी स्कोर पर आउट किया। इसके बाद 14वें ओवर में जो रूट को 17 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। रूट अपना 200वां वनडे अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे थे, लेकिन वह इस खास मैच को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। बियर्डमैन यहीं नहीं रुके। उन्होंने अपने चौथे ओवर की शुरुआत जॉर्डन कॉक्स का विकेट लेकर की और इसी ओवर की आखिरी गेंद पर सैम करन को भी आउट कर दिया। कॉक्स दो रन बना सके, जबकि करन खाता भी नहीं खोल पाए। इन विकेटों के बाद इंग्लैंड का स्कोर 16 ओवर के अंत तक छह विकेट पर 58 रन हो गया। इसके बाद बियर्डमैन ने अपने अगले ओवर में लियाम डॉसन को भी पवेलियन भेज दिया। डॉसन भी खाता नहीं खोल सके। इस विकेट के साथ बियर्डमैन ने अपने वनडे डेब्यू पर पांच विकेट पूरे कर लिए। उन्होंने 1988 के बाद वनडे डेब्यू पर पांच विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बनने का गौरव हासिल किया। वह वनडे डेब्यू पर 5 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के इतिहास में सिर्फ दूसरे गेंदबाज बने। उनसे पहले टोनी डोडेमेड ने श्रीलंका के खिलाफ 21 रन देकर 5 विकेट लिए थे। इंग्लैंड का स्कोर एक समय दो विकेट पर 38 रन था, जो देखते ही देखते सात विकेट पर 60 रन हो गया।



जोफ्रा आर्चर को आउट कर पूरा किया छह विकेट का आंकड़ा

बियर्डमैन ने अपनी शानदार गेंदबाजी का अंत इंग्लैंड के आखिरी बल्लेबाजों में शामिल जोफ्रा आर्चर को आउट करके किया। आर्चर 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस विकेट के साथ बियर्डमैन ने अपने खाते में छठा विकेट जोड़ा।

भारतीय टीम के लिए राहत भरी खबर, टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेने के लिए न्यूजीलैंड रवाना हुए पंत

नई दिल्ली (एजेंसी) भारतीय टीम के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो चुके हैं और शुक्रवार को वेलिंगटन में भारतीय टेस्ट टीम से जुड़ेंगे। जानकारी के अनुसार, बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में लंबे समय तक रिहैब प्रोग्राम पूरा करने के बाद, मेडिकल टीम से मंजूरी मिलने पर पंत गुरुवार सुबह न्यूजीलैंड के लिए निकल गए। एक सूत्र ने बताया, 'वह (पंत) आज सुबह न्यूजीलैंड के लिए रवाना हुए और सिंगापुर से कनेक्टिंग फ्लाइट के जरिए वहां पहुंचेंगे। माना जा रहा है कि वह सिंगापुर से भी निकल चुके हैं।

न्यूजीलैंड के समय के अनुसार वह सुबह जल्दी और भारतीय मानक समय के अनुसार तड़के वेलिंगटन पहुंच जाएंगे। 1 से 4 अक्टूबर तक श्रीनगर में खेले गए ईरानी कप के दौरान 'रेस्ट ऑफ इंडिया' की कप्तानी करते हुए पंत को 'साइड स्ट्रेन' (पसलियों के पास की मांसपेशियों में खिंचाव) की समस्या हुई थी। अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में वह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी रिकवरी पर काम किया और कई सेशन के जरिए अपने खेल के हर पहलू पर ध्यान दिया। पंत को इस दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम और 'न्यूजीलैंड ए' के खिलाफ तीन चार-दिवसीय मैचों के लिए 'भारत ए' टीम में शामिल किया गया था।

मुझे 16 साल की उम्र में ही पता चल गया था कि अभिनेत्री बनूंगी : दीपिका पादुकोण



बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने एक्टिंग करियर के बारे में बताया कि उन्हें 16 साल की उम्र में पता चल गया था कि वह अभिनेत्री बनना चाहती थीं। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इस समय बॉलीवुड की सबसे भरोसेमंद अभिनेत्रियों में से एक हैं। जब उन्होंने 'ट्रिपल एक्स : द रिटर्न ऑफ जेंडर केज' के साथ हॉलीवुड में कदम रखा, तो दीपिका 'द एलेन डीजेनेरेस शो' में भी नजर आईं। एलेन से बात करते हुए 'बाजीराव मस्तानी' फिल्म की अभिनेत्री ने अपने पिता प्रकाश पादुकोण के बैडमिंटन करियर के बारे में खुलकर बात की। दीपिका ने बताया कि उन्होंने भारत में ऐसे समय में बैडमिंटन खेला, जब कोई भी प्रोफेशनल तौर पर बैडमिंटन नहीं खेलता था। उस समय हर कोई डॉक्टर या वकील बनना चाहता था, लेकिन वे एक खिलाड़ी थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा जताई थी, तो अभिनेत्री ने जवाब दिया कि मैं ऐसा करके उन्हें खुश कर सकती थी, लेकिन वे हमेशा यही कहते थे कि अपने दिल की सुनो। अभिनय के प्रति अपना प्यार जताते हुए दीपिका ने बताया कि 16 साल की उम्र में ही उन्हें पता चल गया था कि वह एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा कि कैमरे के सामने रहना उन्हें बेहद खुशी देता है। दीपिका ने एलेन को यह भी बताया कि एक बार उन्होंने अपना पोर्टफोलियो शूट करने के लिए अपनी मां से 10,000 रुपए उधार लिए थे। पैसे मांगते समय अभिनेत्री ने अपनी मां को भरोसा दिलाया कि वह उनके पैसे लौटा देंगी और उन्हें गौरवान्वित भी करेंगी। दीपिका ने बताया कि एक दिन मैंने अपनी मां को बिठाया और कहा कि क्या मैं आपसे 10,000 रुपए उधार ले सकती हूं? मुझे पोर्टफोलियो शूट करने के लिए पैसों की जरूरत थी। मैंने उनसे कहा कि एक दिन मैं उन्हें गौरवान्वित करूंगी और कभी न कभी उनके पैसे भी लौटा दूंगी। साल 2007 में शाहरुख खान के साथ 'ओम शांति ओम' से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद, दीपिका कई प्रमुख फिल्मों का हिस्सा बनीं, जिनमें 'ये जवानी है दीवानी (2013)', 'चेन्नई एक्सप्रेस (2013)', 'गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013)', 'पीकू (2015)', 'बाजीराव मस्तानी (2015)', 'पद्मावत (2018)', 'छपाक (2020)', 'पठान (2023)', 'जवान (2023)' और 'कल्कि 2898 एडी (2024)' शामिल हैं। **(एजेंसी)**

कॉस्मेटिक सर्जरी पर श्रुति हासन का बेबाक बयान, शराब की लत पर कहा- 'आठ साल तक नहीं पी एक बूंद'

अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती। श्रुति ने कहा, 'मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी'... जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।' उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है।



उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।' बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, 'मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।' श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं। **(एजेंसी)**



जूही चावला : 'कयामत से कयामत तक' से मिली बड़ी पहचान, जिनके 'इश्क' ने फैंस को बनाया 'दीवाना मस्ताना'

जब बात सादगी, बेमिसाल खूबसूरती और खिलखिलाती हंसी की होती है, तो भारतीय सिनेमा में सिर्फ एक ही नाम जहन में आता है। 1984 में 'मिस इंडिया' का ताज पहनने से लेकर 'कयामत से कयामत तक' के जरिए करोड़ों दिलों की धड़कन बनने तक, उन्होंने हर किरदार में जान फूंकी है। यह बात हो रही है, अपनी लाजवाब कॉमिक टाइमिंग और संजीदा अभिनय से 90 के दशक पर राज करने वाली अभिनेत्री जूही चावला की। 13 नवंबर 1967 को हरियाणा के अंबाला में जन्मी जूही चावला ने अपनी पढ़ाई मुंबई में की। पिता चाहते थे कि जूही चावला बहुत पढ़े और आईएएस बने या एमबीए करे। मां की इच्छा थी कि जूही मार्केटिंग सेक्टर में करियर बनाए। मगर स्कूल के बाद कॉलेज में पढ़ाई करते हुए ही उनकी जिंदगी में ऐसे चमत्कार हुए, जिसने उन्हें पहले 'मिस इंडिया' और फिर एक बेहतरीन अभिनेत्री बना दिया। जूही चावला ने एक इंटरव्यू में कहा था, मेरी यह कोशिश रही कि मैं जो भी काम करूं, वो थोड़ा अच्छा करूं। इसकी शुरुआत स्कूल में हुई। मेरे बड़े भाई थोड़े मस्तीखोर थे और मां उन्हें बहुत डांटती थीं। मां की डांट का असर भाई पर तो नहीं हुआ, लेकिन मैंने उसे गंभीरता से लिया। इसी का नतीजा था कि मैं स्कूल में अच्छी छात्रा बनी। जब भी परीक्षा होती थी तो पहले पढ़ाई करके जाती थी। फिल्मों में आने से पहले 'मिस इंडिया' बनने की भी उनकी कहानी दिलचस्प है। इंटरव्यू में जूही चावला ने बताया था, मैं शायद इस बारे में नहीं सोच रही थी। कॉलेज के समय में एक कॉन्टेस्ट हुआ था, जिसमें मैंने हिस्सा लिया था। उसमें मैं अव्वल आई। उसी समय कॉलेजों में 'मिस इंडिया' के लिए फॉर्म भरे जा रहे थे। इसमें मेरी कुछ दोस्त हिस्सा लेना चाह रही थीं और उन्हीं को देखते हुए मैंने भी हिस्सा लिया। मैंने अपनी दोस्तों को देखकर सोचा था कि अगर ये कर सकती हैं तो मैं भी कर सकती हूं। इसी मस्ती-मस्ती में एक चमकता हुआ सितारा मिल गया था और जूही चावला 'मिस इंडिया' बन गईं। जूही चावला ने कहा, 'मिस इंडिया' बनने के बाद जिंदगी बदल चुकी थी। मैं बहुत खुश थी, लेकिन यह भरोसा नहीं हो रहा था कि मेरे साथ यह क्या हुआ है। मैं सोच रही थी कि उस समय भगवान ने कुछ तो चमत्कार किया। फिल्मों में जब जूही चावला को मौका मिला तो उन्होंने 1986 की फिल्म 'सल्तनत' से शुरुआत की। फिल्म करते समय वे शूटिंग के दौरान सेट पर नर्वस रहती थीं। इंटरव्यू में जूही चावला ने बताया था, मैं 'सल्तनत' फिल्म की शूटिंग के समय, जिसमें बड़े कलाकार थे, कांपती थी। 'सल्तनत' के बाद जूही को एक के बाद एक फिल्में मिलने लगी थीं। फिल्म इंडस्ट्री से उनका और उनके परिवार को कोई पहले रिश्ता नहीं था। **(एजेंसी)**



दिल्ली क्राइम सीजन 3 को 1 साल पूरा, रसिका दुग्गल बोलीं- ये शो मेरे दिल के बेहद करीब है

बॉलीवुड एक्ट्रेस रसिका दुग्गल की क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम सीजन-3' ने अपनी रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री ने सीरीज को लेकर बताया कि यह उनके दिल के बेहद करीब है। उन्होंने कहा, दिल्ली क्राइम के जरिए मुझे ये जानकर बहुत अच्छा लगा कि कहानी हमारी असल जिंदगी से जुड़ी है। अगर कहानियों को सच्चाई और ईमानदारी से दिखाया जाए, तो वो देश की सरहदें पार करके दुनियाभर के लोगों से जुड़ सकती हैं। शो को जो प्यार और सम्मान मिला है, जिसमें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, वो मेरे लिए बहुत हौसला बढ़ाने वाला रहा है। सीजन 3 के एक साल बाद, मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि मैं तीनों सीजन का हिस्सा रही और मैंने नीति सिंह को हर सीजन में आगे बढ़ते हुए देखा।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे दिल्ली क्राइम की टीम के साथ काम करके बहुत अच्छा लगता है। ये सभी बहुत खास और अच्छे लोग हैं। मुझे उम्मीद है कि हम आगे भी साथ में काम करते रहेंगे। वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम सीजन 3' में रसिका दुग्गल ने पुलिस अधिकारी नीति सिंह का दमदार किरदार निभाया था। उनके इस सीजन के सफर में एक कठिन और पेचीदा मामले के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्ष और ट्रॉमा को भी बहुत खूबसूरती से दिखाया गया था। यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और महिला/बाल तस्करी के एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर आधारित है। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया है। **(एजेंसी)**

बढ़ती महंगाई का दिखेगा असर, आरबीआई दिसंबर में 0.25 प्रतिशत बढ़ सकता है रेपो रेट : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी (आरबीआई-एमपीसी) दिसंबर की बैठक में रेपो रेट को 0.25 प्रतिशत (25 आधार अंक) बढ़ा सकती है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। हालांकि, रिपोर्ट में रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की संभावनाओं से इनकार किया गया। एसबीआई रिसर्च ने रिपोर्ट में कहा कि महंगाई, रुपए और वैश्विक दबावों में कमी के संकेत दिख रहे हैं।

हालांकि रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की संभावना नहीं है, लेकिन यह बढ़कर 5.50 प्रतिशत से 5.75 प्रतिशत हो सकती है। सरकार द्वारा गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.09 प्रतिशत हो गई है। नई सीरीज लागू होने बाद यह पहला मौका है, जब खुदरा



महंगाई दर आरबीआई द्वारा निर्धारित सीमा 2-6 प्रतिशत के ऊपर निकल गई है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि महंगाई दर अगले महीने भी 6 प्रतिशत के ऊपर रह सकती है और उसके बाद इसमें गिरावट आएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी धारणा में सुधार से भारत का सापेक्ष मूल्यांकन बेहतर हुआ है, जिससे एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) के निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, 6 नवंबर से अब तक एफआईआई का निवेश लगभग 7.65 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। साथ ही, अमेरिका-ईरान संघर्ष में तनाव कम होने की संभावनाओं से कच्चे तेल की कीमतों को लेकर भी दृष्टिकोण बेहतर हुआ है।

अमेरिकी चुनावों के बाद, कच्चे तेल की कीमतों में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह औसतन 87 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रह सकती हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की जीत के बाद, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में और नरमी आ सकती है। एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि अमेरिकी 10-वर्षीय यील्ड 4.75 प्रतिशत के स्तर की ओर जा सकती है। भारत के मामले में, 10-वर्षीय यील्ड 6.75 से 7 प्रतिशत के दायरे में रहने की संभावना है, लेकिन अब इसमें गिरावट का स्पष्ट रुझान दिख रहा है।

एसबीआई रिसर्च ने कहा, महत्वपूर्ण बात यह है कि लगातार तीन से चार बार ब्याज दरें बढ़ाए जाने की जो उम्मीदें पहले जताई जा रही थीं, वे अब काफी हद तक खारिज होती दिख रही हैं। हमारा मानना है कि टर्मिनल रेपो रेट 6 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो सकता है, जिसमें 5.75 प्रतिशत तक नीचे आने की भी संभावना है।

अमूल और मदर डेयरी के बाद वेरका ने भी की दूध के भाव में वृद्धि, 8 रुपये महंगा हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)

आम आदमी की रसोई का बजट एक बार फिर से गड़बड़ा गया है। देश के प्रमुख डेयरी ब्रांड्स के लगातार दूध के दाम बढ़ाए जाने से उपभोक्ताओं पर महंगाई की दोहरी मार पड़ी है। अमूल और मदर डेयरी के बाद अब पंजाब स्टेट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन लिमिटेड के चर्चित ब्रांड वेरका ने भी अपने दूध की कीमतों में भारी बढ़ोतरी कर दी है।

वेरका ने अपने विभिन्न पैकेट वाले दूध की अधिकतम खुदरा कीमतों में 1 रुपये से लेकर 8 रुपये तक का इजाफा किया है। यह नई और बढ़ी हुई दरें आज सुबह से लागू हो गई हैं। इस फैसले का सीधा असर पंजाब, चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली, कालका, रोपड़ और दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के तमाम इलाकों के करोड़ों ग्राहकों पर पड़ा है। फेडरेशन के आधिकारिक बयान के अनुसार, यह निर्णय गुरुवार को हुई एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद लिया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित इस समीक्षा बैठक में पंजाब और पड़ोसी राज्यों की अन्य प्रमुख डेयरी कंपनियों की मौजूदा दरों का आकलन किया गया। इसके बाद उत्पादन लागत और बाजार की परिस्थितियों को देखते हुए कीमतों में संशोधन को मंजूरी दी गई। वेरका की नई रेट लिस्ट के मुताबिक, एक लीटर वाले पैकेट पर ग्राहकों को अब 2 रुपये से 4 रुपये तक अधिक चुकाने होंगे।

कंपनी का एक लीटर फुल क्रीम दूध अब 72 रुपये के बजाय 76 रुपये में मिलेगा। इसी तरह एक लीटर स्टैंडर्ड दूध की कीमत 65 रुपये से बढ़कर 69 रुपये हो गई है। वहीं एक लीटर टोंड दूध के लिए अब 59 रुपये की जगह 61 रुपये और डबल टोंड दूध के लिए 53 रुपये के स्थान पर 55 रुपये देने होंगे।

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज पर विमान कंपनियों ने ग्राहकों को किया सतर्क, कहा-ईमेल में हो सकती है देरी

नई दिल्ली (एजेंसी)

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज को लेकर शुक्रवार को भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने ग्राहकों को सतर्क करते हुए कहा कि इससे ईमेल के जरिए मिलने वाली सपोर्ट सर्विसेज प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि, संचार के अन्य माध्यम सुचारु रूप से कार्य कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इंडिगो ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं में आई रुकावट के कारण, इसकी ईमेल सहायता सेवाएं फिलहाल प्रभावित हैं और हो सकता है कि आप ईमेल प्राप्त न कर पाएं। इंडिगो ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, अन्य सभी



सपोर्ट चैनल उपलब्ध हैं। किसी भी तत्काल सहायता के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से '6ई स्काई' से संपर्क करें।

असुविधा के लिए हमें खेद है और हम आपके धैर्य और समझ के लिए आभारी हैं। इसी तरह, अकासा एयर ने बताया कि इस व्यवधान के कारण उनकी ईमेल सपोर्ट सेवाओं में देरी हो रही है। अकासा एयर ने कहा, 'माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक सेवाओं में आई रुकावट के कारण, हमारी ईमेल सपोर्ट सेवाओं में देरी हो रही है, और हो सकता है कि हमें आपके ईमेल न मिल पाएं।' एयरलाइन ने यात्रियों से कहा कि वे तुरंत मदद के लिए उनके 24/7 'अकासा केयर सेंटर' को +91 9606 112131 पर कॉल करें या सोशल मीडिया चैनलों के जरिए संपर्क करें। वहीं, एयर इंडिया ने कहा कि वह माइक्रोसॉफ्ट की इस समस्या पर लगातार नजर रखे हुए है, लेकिन उनकी उड़ानों के संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा है और उनके किसी भी संचार माध्यम पर फिलहाल कोई प्रभाव नहीं है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,180 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये चमकीली धातु आज भी गुरुवार के भाव पर ही कारोबार कर रही है।

कीमत में बदलाव होने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के



स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,28,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,28,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,28,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।